संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 191
पृष्ठ 8
बुधवार
01 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- खून की कमी दूर करेगा चुकंदर..

विचार- भाजपा द्वारा बंगाल भेजे गए चुनाव...

खेल- टेनिस में भारत को पहला ओलंपिक...

पीएम मोदी ने सम्राट सम्प्रति संग्रहालय का किया उद्घाटन,बोले-

वैश्विक बाजार में सेमीकंडक्टर आपूर्तिकर्ता बनेगा भारत गुजरात में सेमीकॉन प्लांट

गांधीनगर,एजेंसी। गुजरात के सानंद में केन्स सेमीकंडक्टर संयंत्र का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सानंद और सिलिकॉन वैली के बीच एक नया पुल बन गया है, और इस युग को भारत का दशक घोषित किया। घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में हो रही तीव्र वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने भविष्यवाणी की कि इस दशक के अंत तक भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र में उत्पादन की शुरुआत वैश्विक बाजार में एक विश्वसनीय सेमीकंडक्टर आपूर्तिकर्ता के रूप में भारत की मजबूत भूमिका को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की अपनी कंपनी, केन्स, अब वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का

एक मजबूत हिस्सा बन चुकी है। प्रधानमंत्री के अनुसार, सानंद संयंत्र में निर्मित इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी मांग है। उन्होंने कहा कि मुझे बताया गया है कि यहां निर्मित उत्पादों का एक बड़ा हिस्सा निर्यात के लिए बुक हो चुका है। कैलिफोर्निया की कंपनियों को सानंद संयंत्र इंटेलिजेंट पावर मॉड्यूल की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ये मॉड्यूल अमेरिकी कंपनियों तक पहुंचेंगे और वहां से पूरी दुनिया को बिजली प्रदान करेंगे। उन्होंने इसे मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के मंत्र का प्रतीक बताते हुए गर्व का क्षण बताया। इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को महामारी और संघर्षों के कारण काफी बाधाओं का सामना करना पड़ा है। मित्रों, इस 21वीं सदी ने शुरुआत से ही दुनिया के सामने कई चुनौतियाँ खड़ी की हैं। महामारी के कारण संकट है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संघर्ष है। चाहे चिप्स हों, दुर्लभ खनिज हों या ऊर्जा, ये सभी संघर्षों से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। ये सभी चीजें मानवता के तीव्र विकास से जुड़ी हैं। इसलिए, भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए पूरी दुनिया के विकास के लिए इस दिशा में आगे बढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे बताया, "सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता केवल एक चिप तक सीमित नहीं है," और समझाया कि यह एआई, इलेक्ट्रिक वाहन, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा सहित कई क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करती है।

असम में सीएम हिमंता बिस्वा का बड़ा ऐलान

लव जिहाद और यूजीसी पर 3 महीने में लाएंगे कानून

दिसपुर,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी असम को उस मुकाम तक ले जाएगी जहां वह राष्ट्र के विकास में एक अहम भूमिका निभाएगा, न कि एक आश्रित राज्य बनकर रह जाएगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सरमा ने बताया कि भाजपा असम के आदिवासी और जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करेगी। सरकार लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी लाएगी। हिमंता ने कहा कि सत्ता में वापस आने के बाद, असम के आदिवासी और अन्य जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना, हम तीन महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू करेंगे।

हम लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी ला रहे हैं। सरमा ने आगे कहा कि अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को भी लागू किया जाएगा, जो 24 घंटे के भीतर अवैध अप्रवासियों को कानूनी रूप से निष्कासित करने का अधिकार देगा। उन्होंने कहा कि हम असम के जिला आयुक्तों को अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को लागू करने का अधिकार देंगे, जिसके तहत जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को 24 घंटे के भीतर किसी भी विदेशी को निष्कासित करने का अधिकार है। हम अपनी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हम बांग्लादेशी घुसपैठियों से अपनी जमीन का एक-एक इंच सुरक्षित करेंगे, उन्होंने आगे कहा। रोजगार क्षेत्र पर बोलते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि युवाओं के लिए कम से कम 2 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे।

ममता बनर्जी ने गिनाए देबरा के विकास कार्य, केन्द्र सरकार पर लगाया प्रोजेक्ट्स में देरी का आरोप

कोलकाता,एजेंसी। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने देबरा स्थित बलिचक भजाहारी संस्थान मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए बताया कि कैसे बेहतर सुविधाओं, कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों की शुरुआत से इस क्षेत्र का कायापलट हो गया है। उन्होंने रेल मंत्रालय पर क्षेत्र में परियोजनाओं में देरी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्षों पहले स्वीकृत फ्लाईओवर और उससे संबंधित कार्य अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, हमने राजीव बनर्जी को देबरा से टिकट दिया है। मेरे साथ श्रीकांत महतो और अजीत मैती हैं। वे क्रमशः सालबोनी और पिंगला से चुनाव लड़ रहे हैं। रेल मंत्रालय यहां फ्लाईओवर का निर्माण पूरा नहीं कर रहा है। यह मेरे कार्यकाल में स्वीकृत हुआ था। अगर वे काम पूरा नहीं करेंगे, तो हम पुल के नीचे होने वाले अपने काम को कैसे पूरा कर पाएंगे? मैं संबंधित अधिकारियों से काम पूरा करने का आग्रह करती हूं। उन्होंने बताया कि देबरा में हमने एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाई और आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण किया है। ममता ने कहा कि यहां एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया है। देबरा में एक ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाई बनाई गई है। ग्रामीण अस्पताल में बाल देखभाल को प्राथमिकता दी गई है। हमने एक आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज भी बनाया है। हमने 120 से अधिक सड़कों का निर्माण और जीर्णोद्धार किया है। हमने पुल भी बनाए हैं। सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि देबरा ब्लॉक में पेयजल के लिए हम 53 महत्वपूर्ण परियोजनाएं चला रहे हैं और आदिवासी छात्रों के लिए एक एकीकृत अंग्रेजी माध्यम स्कूल स्थापित करने पर लगभग 9 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा हमने बस टर्मिनल बनाया है। हमने पाठा साथी योजना पर जोर दिया है। एक विद्युत सबस्टेशन बनाया गया है। कर्मसाथी योजना से भी यहां के लोगों को काफी मदद मिली है। लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ सभी को मिलता है। अगर आप जीवन भर लक्ष्मी भंडार योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, तो एआईटीसी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

कर्मचारियों के हक में सुप्रीम फैसला

लंबे समय तक काम लिया, तो पद स्थायी माना जाएगा

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने कर्मचारियों के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी कर्मचारी से लंबे समय तक काम लिया जाता है, तो वह कार्य स्थायी माना जाएगा। शीर्ष अदालत के अनुसार, इतनी लंबी सेवा ही इस बात का प्रमाण है कि उस पद पर नियमित नियुक्ति की जरूरत थी। न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला रद्द कर दिया है। कोर्ट ने प्रभावित कर्मचारियों को वापस नौकरी पर रखने का आदेश दिया है। यह मामला कानपुर नगर निगम के स्विचमैन कर्मचारियों से जुड़ा है। ये कर्मचारी वर्ष 1993 से 2006 तक लगातार काम कर रहे थे। अदालत ने कहा कि जब कोई 12-13 साल तक निरंतर कार्य करता है, तो उसे अस्थायी कहना गलत है। उसे महज वैकल्पिक कर्मचारी मानकर अचानक नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। पीठ के अनुसार,

इतनी लंबी कार्यावधि सिद्ध करती है कि वहां काम स्थायी था और नियमित पद मौजूद था। इस कानूनी लड़ाई में सबूतों को लेकर अहम मोड़ आया। नगर निगम ने कर्मचारियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड पेश नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट ने श्रम न्यायालय के निर्णय को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि यदि संस्थान आदेश के बावजूद दस्तावेज नहीं दिखाता, तो कर्मचारी का दावा सच माना जाएगा। कानून में इसे प्रतिकूल अनुमान कहते हैं। इसका अर्थ है कि रिकॉर्ड न दिखाना संस्थान की अपनी गलती मानी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारियों की बहाली का आदेश बरकरार रखा है। हालांकि, उनके पिछले बकाया वेतन पर एक तकनीकी पेंच है। अदालत का मानना है कि यह देखना जरूरी है कि नौकरी से हटने के बाद कर्मचारी कहीं और काम कर रहे थे या नहीं। इसी बिंदु पर निर्णय के लिए मामला पुनः उच्च न्यायालय भेज दिया गया है। इस फैसले से देशभर के संविदा कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया है कि गैर-योग्य कानूनी पेशेवर जमीन संबंधी विवादों का निपटारा कर रहे हैं। ऐसे में इस तरह के मामलों से निपटने के लिए राजस्व न्यायिक सेवा स्थापित की जाए। याचिका में यह भी मांग की गई कि ऐसे मामलों का निर्णय करने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए न्यूनतम कानूनी योग्यता और प्रशिक्षण मॉड्यूल निर्धारित करने के निर्देश दिए जाएं। वकील अश्विनी उपाध्याय ने याचिका में दलील दी कि करीब 66: दीवानी मामले जमीन-विवादों से जुड़े होते हैं और इसकी मुख्य कमी यह है कि इन मामलों का निपटारा ऐसे अधिकारियों की ओर से किया जा रहा है जिनके पास औपचारिक कानूनी शिक्षा और प्रशिक्षण का अभाव है। इसके परिणामस्वरूप गलत और असंगत निर्णय सामने आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट 2 अप्रैल को इस मामले की सुनवाई कर सकता है। याचिका में कहा गया है कि इस मुद्दे पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने विचार किया था, लेकिन उसके निर्देशों का आज तक पूरी तरह से पालन नहीं किया गया है। मौजूदा व्यवस्था भूमि विवादों के निपटारे का काम बिना किसी कानूनी पृष्ठभूमि वाले राजस्व अधिकारियों को सौंपकर नागरिकों को व्यापक और निरंतर क्षति पहुंचाती है। इसके परिणामस्वरूप मनमाने, असंगत और त्रुटिपूर्ण निर्णय सामने आते हैं। याचिका में कहा गया कि इससे संपत्ति के अधिकारों को लेकर लंबे समय तक अनिश्चितता बनी रहती है, जमीन के उपयोग और हस्तांतरण पर रोक लगती है, मुकदमों और खर्चों में बढ़ोतरी होती है तथा न्याय तक प्रभावी पहुंच से वंचित होना पड़ता है। साथ ही यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। याचिका में केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने की मांग की गई कि वे हाईकोर्ट के परामर्श से उन राजस्व अधिकारियों के लिए एक न्यूनतम कानूनी योग्यता और न्यायिक प्रशिक्षण मॉड्यूल निर्धारित करें, जो स्वामित्व, उत्तराधिकार, विरासत, कब्जा और अन्य संपत्ति अधिकारों से जुड़े मामलों का निपटारा करते हैं।

किरेन रिजिजू का दावा

वामपंथी उग्रवादियों को जानते हैं राहुल गांधी, कई कांग्रेसी नेताओं का नक्सलियों से संबंध

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में नक्सलवाद के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं के वामपंथी उग्रवादियों और माओवादियों से संबंध रहे हैं। उनके इस बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी वामपंथी उग्रवादियों को जानते हैं और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने ऐसे समूहों से संपर्क भी बनाए रखा था। उन्होंने यह भी कहा कि यह

विडंबना है कि एक तरफ कांग्रेस सार्वजनिक रूप से उग्रवाद के खिलाफ बात करती है, वहीं दूसरी तरफ उसके कुछ नेताओं पर ऐसे आरोप लग रहे हैं। रिजिजू ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के समय कुछ लोग वामपंथी उग्रवादी विचारधारा से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन लोगों को जानते हैं। हालांकि उन्होंने कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन उनके बयान ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने माओवादियों से मुलाकात भी की थी और उनसे संपर्क बनाए रखा था।

उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनके अनुसार, यह स्थिति चिंताजनक है और इसकी जांच होनी चाहिए। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा था कि देश नक्सलवाद से लगभग मुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे इलाके, जो पहले नक्सलवाद के गढ़ माने जाते थे, अब विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

देश में प्रति उपयोगकर्ता मासिक मोबाइल डेटा खपत 31जीबी से अधिक : रिपोर्ट

नयी दिल्ली भारत में प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक मोबाइल डेटा की खपत वर्ष 2025 में 31जीबी के आंकड़े को पार कर गई है जबकि वर्ष 2024 में यह खपत 27.5 जीबी थी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया के वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड सूचकांक (एमबीइटी) के 13वें संस्करण में कहा गया है कि वर्ष 2025 में अखिल भारतीय स्तर पर 5जी नेटवर्क पर डेटा का कुल मासिक उपयोग एक साल पहले की तुलना में 70 प्रतिशत बढ़कर 12.9 एक्साबाइट (ईबी) तक पहुंच गया है। इसके साथ ही, देश के कुल मोबाइल ब्रॉडबैंड ट्रैफिक में 5जी की हिस्सेदारी अब लगभग 47 प्रतिशत हो गई है।

चोटी वाला ढाबा पर पुलिस का छापा, देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़, 9 गिरफ्तार

मथुरा (छाता)। जनपद के छाता क्षेत्र में पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। कोतवाली छाता के अंतर्गत चौकी दौताना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-19 स्थित "चोटी वाला ढाबा" पर छापेमारी कर पुलिस ने पांच युवतियों और चार युवकों को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार किया। मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से उक्त ढाबे पर देह व्यापार संचालित होने की गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। सूचना की पुष्टि के बाद क्षेत्राधिकारी छाता भूषण वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए पुलिस ने

पहले एक फर्जी ग्राहक को भेजकर पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई। पुष्टि होते ही बाहर तैनात पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दे दी। छापेमारी के दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर कोतवाली छाता पहुंचाया, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह का मुख्य सरगना फराह क्षेत्र का रहने वाला एक दलाल है, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

भैंस चोरी का खुलासा, पांच पर प्राथमिकी, दो गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना क्षेत्र में लगातार हो रही भैंस चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस ने एक मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य की तलाश जारी है। भगाही कुलमई गांव निवासी भुल्लन कोटार्य की एक और सालिक राम विश्वकर्मा की दो भैंसें घर के बाहर बंधी थीं, जिन्हें चोर खोल ले गए। आरोप है कि चोरी के बाद भैंसों को पड़ोखरा गांव के पास एक नाले में छिपा दिया गया। इस दौरान भुल्लन की भैंस की मौत हो गई, जबकि सालिक राम की एक भैंस जिंदा बरामद कर ली गई।

भुल्लन कोटार्य की तहरीर पर पुलिस ने पड़ोखरा गांव निवासी राशिद, फैजान, साहिल, जतिन समेत एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार चोरी में प्रयुक्त वाहन को भी कब्जे में ले लिया गया है। फरार तीन आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

बारा में चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल समाप्त

प्रयागराज। अधिवक्ता संघ बारा की हड़ताल सोमवार को खत्म हो गई। इस सबंध में संघ के अध्यक्ष बीरेंद्र यादव एवं मंत्री अनिल द्विवेदी ने एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम और तहसीलदार बारा रोशनी सोलंकी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में वादकारियों के हित में हड़ताल वापस लेने का निर्णय लिया गया। एसडीएम ने बताया कि अधिवक्ताओं की शिकायत पर रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय में नियुक्त लेखपाल अखिलेश कुमार को नजारत से संबंध कर दिया गया और उसकी जगह संजय कुमार को रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय से संबद्ध किया गया है।

बिजली गिरने से किशोरी की मौत, तीन झुलसे

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के जादीपुर गांव में सोमवार को शाम 5रू30 बजे के करीब बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे मजदूरों के साथ गई एक किशोरी की झुलस कर मौत हो गई। जबकि तीन अन्य मजदूर झुलस गए। झुलसे लोगों को सीएचसी कोरांव ले जाया गया, जहां चिकित्सको ने है 15 वर्षीय किशोरी को मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, राजकली पत्नी लालचंद अपनी बेटी काजल, देवरानी अंजोरा देवी और भतीजी शिखा के साथ मजदूरी करने गए थे। कटे हुए गेहूं का बोझ बांधते समय अचानक बिजली गिर गई। इस दौरान बिजली की चपेट में आकर 15 वर्षीय किशोरी काजल की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अंजोरा देवी पत्नी मूलचंद, राजकली पत्नी लालचंद और शिखा पुत्री प्रेमचंद झुलस गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि गंभीर रूप से घायलों का सीएचसी कोरांव में ही भर्ती कराया गया है।

डीहा में शॉर्ट सर्किट से छह बीघा गेहूं की फसल राख

प्रयागराज। क्षेत्र के डीहा गांव में सोमवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में आग लग गई। आग से करीब छह बीघा गेहूं की फसल राख हो गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, तब तक किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। आग से किसान छोटेलाल मिश्रा उर्फ तल्ले, सुरेश चंद्र यादव, राजेंद्र प्रसाद यादव, सुखलाल यादव, कृष्ण विजय यादव, रविंद्र कुमार यादव और रामकृष्ण यादव की की फसल राख हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही लेखपाल व एसडीओ आलोक रंजन गुप्ता मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।

विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता का विकास सम्बन्धी विचारगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के गंगा सभागार में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के संयुक्त तत्त्वावधान में "भारतीय ज्ञान परम्परा और विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता" विषय पर एक दिवसीय विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री घनश्याम शाही ने उक्त अवसर पर छात्र–छात्राओं को भारतीय ज्ञान परम्परा के सन्दर्भ में आत्मनिर्भरता

विकसित करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उपस्थित छात्र–छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्र–छात्राओं को वर्तमान समय में आने वाली विविध समस्याओं से अवगत कराते हुए उनका समाधान प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को बढ़ रही चुनौतियों के प्रति आगाह करते हुए उन्होंने सभी छात्र–छात्राओं को सजग रहते हुए अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होने को प्रेरित किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता विकसित करने हेतु भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध सोपानों का उल्लेख करते हुए आत्मनिर्भर युवा एवं छात्र–छात्राओं को सुरक्षित एवं सम्पन्न भारत का भविष्य बताया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों से विद्यार्थियों का परिचय कराते हुए उन्होंने समस्त उपस्थितजनों से इन विशेष पाठ्यक्रमों का लाभ उठाने का आह्वान किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी के मार्गदर्शन में "सेतुबन्ध एवं आयुर्वेद गुरुकुलम" जैसे अतिउपयोगी पाठ्यक्रमों द्वारा छात्र–छात्राओं को लाभान्वित होकर आत्मनिर्भर बनने को प्रेरित किया। विचारगोष्ठी का शुभारम्भ परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी के मुख्यवक्ता अ.भा.वि.प. के श्री घनश्याम शाही द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ सम्पन्न हुआ। परिसर के जनसम्पर्क अधिकारी एवं संगणक विशेषज्ञ राजेशकान्त तिवारी के अनुसार संगोष्ठी मे गंगानाथ झा परिसर के सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त त्रिवेदी, सहायकाचार्य श्री अंकित मिश्र के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ साथ परिसर के एम.ए. संस्कृत के छात्र–छात्राएँ भी उपस्थित रहे। छात्र–छात्राओं ने इस संगोष्ठी से अत्यधिक लाभान्वित होने की बात की। इस अवसर पर परिसरीय अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे।

पिता के सामने शारदा सहायक नहर में कूदी मानसिक विक्षिप्त युवती, तलाश जारी

प्रयागराज। जोगीपुर में सोमवार को सुबह बीमार बेटी को लेकर पिता डॉक्टर को दिखाने प्रयागराज के लिए बस का इंतजार कर रहे थे। तभी अचानक युवती शारदा सहायक नहर में कूद गई।

पिता के शोर मचाने पर जब तक ग्रामीण जुटते, युवती पानी के तेज बहाव में बह गई। सूचना पर पहुंची पुलिस युवती की तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। युवती के पिता ने तहरीर दी है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जोगीपुर निवासी नन्हे लाल सरोज ने बताया कि उसकी 25 वर्षीय पुत्री खुशबु देवी का दिमाग ठीक नहीं था। उसका शहर में

इलाज चल रहा था। सोमवार को सुबह करीब 10 बजे वे बेटी को दवा दिलाने जा रहे थे।

इस दौरान वह गांव की पुलिया के निकट शारदा सहायक नहर के पास बस के इंतजार में खड़े थे। अचानक खुशबु ने शारदा सहायक नहर में छलांग लगा दी। शोर मचाने पर जब तक ग्रामीण जुटते, खुशबू तेज पानी के बहाव में बह गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती की काफी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। पिता ने बताया कि खुशबू की शादी तीन वर्ष पूर्व होलागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम अघोरियान निवासी कपूरे सरोज के साथ हुई है। बीते मार्च को वह मायके आई थी। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी का कहना है कि पुलिस तलाश में जुटी है।

शारदा सहायक नहर मऊआइमा के बांका जलालपुर, जोगीपुर, मदारी होते हुए प्रतापगढ़ तक जाती है। जबकि दूसरी शाखा मऊआइमा के दुबाही, घीनपुर होते हुए बहरिया क्षेत्र में प्रवेश करती है।

सिलिंडर की किल्लत से खानपान की दुकानों पर कोयले की भट्टी का इस्तेमाल

प्रयागराज। सिलिंडर की किल्लत का असर आम लोगों पर पड़ा है। इससे कोयला तथा बिजली संचालित यंत्र इंडक्शन की मांग बढ़ गई है। घरों में इंडक्शन तो दुकानों और ढाबों पर कोयले की भट्टी से खान पान के व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं। सिलिंडर के अभाव में इलाके के कई रेस्टोरेंट बंद हो गए। जिसका असर दुकानदारों के अलावा आम लोगों की रसोई पर पड़ा है। कोयला कारोबारी शैलेंद्र किशोर ने बताया कि पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी से कई दिन बाद कोयले का ट्रक आ रहा है। वहीं रेस्टोरेंट संचालक कमलेश यादव, भोला यादव ने बताया कि गर्मी में कोयले की भट्टी से खान पान की चीजे बनाना मुश्किल हो रहा है। कारीगर कोयले की भट्टी पर काम नहीं करना चाहते, उन्हें असुविधा हुआ करती है।

सिलिंडर की कालाबाजारी का आरोप, उपभोक्ता परेशान

उपभोक्ताओं ने क्षेत्र में सिलिंडर की कालाबाजारी का आरोप लगाया है। उपभोक्ताओं द्वारा बुकिंग के एक पखवाड़े बाद भी सिलिंडर की आपूर्ति नहीं की जा रही है। इससे उपभोक्ताओं में आक्रोश है।

गोबरा गांव के उपभोक्ताओं ने बताया कि एक एजेंसी की ओर से बीते 13 मार्च को डिलिवरी कोड जारी करने के एक पखवाड़े के बाद भी डिलीवरी नहीं की गई है।

इसी तरह शंकरगढ़ और डेराबारी आदि गांवों के उपभोक्ताओं ने भी शिकायत की है। आपूर्ति निरीक्षक राजेंद्र यादव ने कहा कि एजेंसी संचालक से बातकर कार्रवाई की जाएगी।

पहले ही प्रयास में पाई सफलता, सब रजिस्ट्रार बने आशीष कुमार

प्रयागराज। तहसील सिराथू के सुजातपुर बमरौली गांव के मूल निवासी आशीष कुमार ने यूपीपीसीएस में 38वीं रैंक हासिल कर सब रजिस्ट्रार पद पर चयनित होकर क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। आशीष की इस उपलब्धि से गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। आशीष और उनके परिवार के लोग वर्तमान में लखनऊ में रहते हैं। उन्होंने कक्षा एक से इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई रानी लक्ष्मीबाई कॉलेज, लखनऊ से पूरी की। इसके बाद उन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से बीए की पढ़ाई की, फिर उन्होंने प्रयागराज विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। लगातार मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल की।

पिता हनुमान प्रसाद सरोज हैं संयुक्त सचिव

आशीष के पिता हनुमान प्रसाद सरोज उत्तर प्रदेश शासन में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं और वर्तमान में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के विभाग से संबंधित कार्य देख रहे हैं। पिता के प्रशासनिक अनुभव और मार्गदर्शन ने आशीष को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर हैं आशीष

परिवार में तीन भाई हैं। बड़े भाई अशुतोष अपना व्यवसाय करते हैं। दूसरे नंबर पर आशीष कुमार हैं, जिन्होंने पीसीएस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। सबसे छोटे भाई अनुपम सिंह अभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, आशीष और उनका परिवार वर्तमान में गांव में नहीं रहता है, लेकिन जैसे ही उनकी सफलता की खबर लोगों को मिली, सुजातपुर बमरौली में रह रहे उनके परिजनों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। सोशल मीडिया से लेकर गांव तक बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी रहा।

माता–पिता को दिया सफलता का श्रेय

आशीष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता हनुमान प्रसाद सरोज और माता कलावती देवी को दिया है। उन्होंने कहा कि माता–पिता के मार्गदर्शन, प्रेरणा और सहयोग के कारण ही वह इस मुकाम तक पहुंच सके हैं। उनके अनुसार कड़ी मेहनत, परिवार का समर्थन और सकारात्मक सोच से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

लाखों दावेदार, फिर भी पीसीएम के पद रह जाते खाली, इस बार भी रिक्त रह गईं 15 सीटें

प्रयागराज। यूपी की सबसे प्रतिष्ठित भर्ती परीक्षा पीसीएस में लाखों बेरोजगारों की दावेदारी के बावजूद पद खाली रहने का सिलसिला बना हुआ है। पीसीएस 2024 में भी 'योग्य अभ्यर्थी' नहीं मिलने के कारण 947 में से 15 पद रिक्त रह गए। यूपी लोक सेवा आयोग की ओर से इन पदों को फिर से विज्ञापित करने की सिफारिश शासन से की जाएगी। यूपी की सबसे प्रतिष्ठित भर्ती परीक्षा सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा (पीसीएस) में लाखों बेरोजगारों की दावेदारी के बावजूद पद खाली रहने का सिलसिला बना हुआ है। पीसीएस 2024 में भी 'योग्य अभ्यर्थी' नहीं मिलने के कारण 947 में से 15 पद रिक्त रह गए। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से इन पदों को फिर से विज्ञापित करने की सिफारिश शासन से की जाएगी। यह पहली बार नहीं है कि पीसीएस में योग्य अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण पद खाली रह गए हैं। पिछली कई भर्तियों से यह स्थिति बनी हुई है। इससे पहले 23 जनवरी 2024 को घोषित पीसीएस 2023 के अंतिम परिणाम में भी कुल 20 प्रकार के 253 पदों के सापेक्ष 251 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से सफलता मिली थी। योग्य अभ्यर्थी न मिलने के कारण प्राविधिक सहायक (भूतत्व) के दो (ओबीसी व एससी के एक–एक) पद खाली रह गए थे। वहीं पीसीएस 2022 के अंतिम परिणाम में योग्य अभ्यर्थी न मिलने के कारण 19 पद (राज्य संपत्ति विभाग में व्यवस्थाधिकारी के एक, व्यवस्थापक के 16 और खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड में रसायनज्ञ के दो पद) खाली रह गए थे। पीसीएस 2021 में 678 पदों के सापेक्ष 627 अभ्यर्थी अंतिम रूप से सफल हुए थे और योग्य अभ्यर्थी न मिलने के कारण श्रम प्रवर्तन अधिकारी के दो और प्रधानाचार्य के 49 कुल 51 पद खाली रह गए थे। पीसीएस 2020 में 487 पदों के सापेक्ष 476 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन हुआ था और बाल विकास परियोजना अधिकारी की 11 रिक्तियां योग्य अभ्यर्थियों के उपलब्ध न होने के कारण रिक्त रह गई थी। पीसीएस 2019 में 453 रिक्तियों के सापेक्ष 434 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया था। योग्य अभ्यर्थी न मिलने के कारण 19 पद खाली रह गए थे। लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. केबी पांडेय का कहना है कि पीसीएस के लिए आवेदन भले ही लाखों अभ्यर्थी करते हों लेकिन अभ्यर्थियों के विभिन्न पदों के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता धारित नहीं करने के कारण पद खाली रह जाते हैं। पीसीएस–2024 के परिणाम में टॉप करने वाली नेहा पांचाल का परिवार मूल रूप से बागपत के फतेहपुर पुट्टी गांव का रहने वाला है।

भाकियू अराजनैतिक कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। तहसील के किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू अराजनैतिक के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सोमवार को तहसील सोरांव में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान एसडीएम ज्ञानेंद्र नाथ को 21 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में टिकरी व आसपास के गांवों के किसानों की भूमि को जबरन अधिग्रहण किए जाने व इसी प्रकार औद्योगिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण न किए जाने की मांग की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष वीर सिंह एडवोकेट, अजय कुमार सिंह, संदीप, जगदीश तिवारी, कमलाकांत शुक्ला, संतोष तिवारी आदि रहे।

गेहूं क्रय केंद्र खुले, लेकिन नहीं हुई बोहनी

प्रयागराज। क्षेत्र में गेहूं खरीद के लिए 18 क्रय केंद्र खोले गए हैं। सोमवार से शुरू हुई खरीद के तहत क्रय केंद्रों पर बोहनी नहीं हुई। किसानों का कहना है कि गेहूं की फसल अभी तैयार नहीं हुई है। कटाई चल रही है। करीब दस दिन बाद ही क्रय केंद्रों पर गेहूं की उपज पहुंचेगी। मेजा के क्षेत्रीय विपणन अधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि मेजा तहसील क्षेत्र में गेहूं खरीद के लिए कुल 18 क्रय केंद्र खोले गए हैं। जिसमें विपणन शाखा के नौ हैं। इसमें एक केंद्र बजहा में खोला गया है। गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। बताया गया कि एक भी केंद्र पर गेहूं की खरीद नहीं हो सकी। हुल्का के किसान राजा पांडेय ने बताया कि गेहूं की फसल की कटाई–मड़ाई में अभी 10 दिन लग जाएंगे।

महिला अस्पताल परिसर में बनेगा आरोग्य केंद्र

प्रयागराज। नगर पंचायत शंकरगढ़ के सदर बाजार स्थित महिला अस्पताल परिसर में शीघ्र ही आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निर्माण कराया जाएगा। सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ के अधीक्षक डॉ. अभिषेक सिंह तथा उत्तर प्रदेश

अभियंत्रण एवं श्रम सहकारी संघ लिमिटेड, लखनऊ के सुपरवाइजर करीमुल्लाह ने प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। बताया जाता है कि महिला अस्पताल का भवन काफी समय से जर्जर स्थिति में है। परिसर का एक हिस्सा ही वर्तमान में उपयोग में है, जबकि शेष भवन खंडहर में तब्दील हो चुका है। इस समस्या को लेकर स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों द्वारा कई बार अस्पताल प्रशासन से शिकायत कर पुनर्निर्माण की मांग उठाई गई थी।अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज को अवगत कराया और शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजा। इसके परिणामस्वरूप शंकरगढ़ क्षेत्र में तीन स्थानों महिला अस्पताल परिसर, राजकीय महिला चिकित्सालय अमिलिहा तरहार और जरखोरी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण को स्वीकृति मिल गई है।

उखड़ गई सड़क की परतें, जगह–जगह बने गड्ढे

प्रयागराज। हाईवे की सड़क महज कुछ महीनों में ही उखड़ गई। जगह–जगह से सड़क की परतें उखड़ गई। वहीं सड़क पर गड्ढे बन गए, जिससे कारण दुर्घटनाएं हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ महीने पहले ही सड़क को फिर से बनाया गया

था। बांदा–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग का कुछ महीने पहले ही मरम्मतीकरण किया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि गौहनिया–करमा रोड के पंवरी गांव के सामने पेट्रोल पंप से लगी रोड पर गड्ढा बन गया। ग्रामीण सूर्यभान सिंह, अखिलेश यादव, सतीश कुशवाहा, राधेश्याम कुशवाहा, विमल यादव और शैला महाराज ने क्षतिग्रस्त सड़क को बनाए जाने की मांग की है।

बेली में ऑनलाइन भुगतान से भी बनेगा ओपीडी का पर्चा

प्रयागराज। अब मरीज और तीमारदार बेली अस्पताल में क्यूआर कोड से भी ओपीडी का पर्चा बनवा सकेंगे। यदि किसी

मरीज व तीमारदार के पास दवा का पर्चा बनवाने के लिए फुटकर पैसा नहीं है तो पर्चा काउंटर पर रखे क्यूआर कोड से भी भुगतान किया जा सकता है। साथ ही ऑनलाइन जांच शुल्क भी जमा किया जा सकता है। अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 2000 से अधिक मरीज आते हैं। इसमें अधिकांश मरीजों के पास फुटकर पैसा न होने के कारण कतार से बाहर निकलना पड़ता था या मजबूरी में कुछ पैसे का आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता था। यहां तक कि काउंटर पर दवा का पर्चा बनवाने में ज्यादा समय लगता था। अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भावना शर्मा ने बताया कि मरीजों की सुविधा के लिए क्यूआर कोड से भी भुगतान की सुविधा शुरू की गयी है। इससे मरीजों को राहत मिलेगी।

नगर निगम में 10 नामित पार्षदगणों को शपथ ग्रहण कराया गया

महापौर विधायक और जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज में आज उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नगर निगम 10 पार्षदगणों को महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी माननीय विधायक दीपक पटेल एवं विधानसभा सदस्य सुरेंद्र चौधरी तथा जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह हुआ शपथ ग्रहण लेने वाले पार्षदों में अखिलेश सिंह, अरुण कुमार मिश्रा, प्रवीण भारतीय, स्वरिका

भारद्वाज,श्यामचंद हेला,दुर्गेश नंदिनी, राजेश कुशवाहा, बब्बन प्रजापति, दिलीप केसरवानी एवं लाल बहादुर साहू को नगर निगम के नई बिल्डिंग के सदन में शपथ दिलाई गई इस अवसर पर प्रयागराज नगर निगम के सभी सभासद श्री आशीष कुमार द्विवेदी मा0 पार्षद श्रीमती कुसुम लता रणविजय सिंह दीपिका सिंह पटेल एवं सदस्य सचिव सहित नगर निगम के सभी विभाग अधिकारीगण अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव अपर नगर आयुक्त राजीव कुमार शुक्ल अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय जनसंपर्क अधिकारी संजय ममगाई मुख्य कर निर्धारण अधिकारी बालेंद्र मिश्र मुख्य लेखा परीक्षा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम पटलौनी में आंगनवाड़ी केंद्र का लोकार्पण व स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

मथुरा। ग्राम पंचायत पटलौनी, विकास खंड बलदेव में आंगनवाड़ी केंद्र के लोकार्पण एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश एडवोकेट, उनके

प्रतिनिधि पंकज प्रकाश, बीडीओ नेहा रावत, भाजपा महिला मंडल की उपाध्यक्ष मुदिता शर्मा, अनिल रावत, अजीत छौंकर, सीडीपीओ बलदेव एवं राया, ग्राम प्रधान व सचिव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर आंगनवाड़ी केंद्र पटलौनी का विधिवत लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र एवं स्मार्टफोन वितरित किए गए। जानकारी के अनुसार, विकास खंड बलदेव में 9 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए तथा 10 कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन वितरित किए गए। वहीं विकास खंड राया में 1 कार्यकर्ता को नियुक्ति पत्र और 11 कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन दिए गए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने आंगनवाड़ी सेवाओं के सशक्तिकरण और तकनीकी संसाधनों के उपयोग से कार्य की गुणवत्ता में सुधार पर बल दिया। अंत में बीडीओ ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/626 दिनांक: 28.03.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 230-क0वि0-कार्य ठेका-1015-2026 | अनुमानित लागत: ₹ 1,59,61,266.01

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के चोला (CHL) और वैर (WIR) स्टेशनों पर पुराने FOB को 3.10 मीटर चौड़े नए FOB से बदलने तथा मंजूलगाढ़ी (MZGI), सासनी (SNS) और जलेसर (JLS) स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने के कारण 25kV OHE में संशोधन का कार्य।

बिड सुरक्षा राशि: ₹ 3,19,200.00 | कार्य अवधि: 12 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 20.04.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 20.04.2026, 15.00 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 695/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No.: CC-6/E-Auction/Commercial Publicity/2025 Date: 30.03.2026

ई-नीलामी सूचना (जानकारी हेतु)

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा निम्नलिखित ई-नीलामी हेतु ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से बोली आमंत्रित की गई हैं।

आवंटन/कार्य का नाम: प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन (सिटी साइड, लीडर रोड के समीप) स्थित G+5 बिल्डिंग में बहु-कार्यात्मक परिसर (Multi Functional Complex) के स्थापना, संचालन एवं रखरखाव हेतु 15 वर्षों की अवधि के लिए ई-नीलामी।

नीलामी कैटलॉग संख्या: PRYJ-MFC-Build

नीलामी प्रारंभ तिथि/समय: 14-04-26 11:00:00

कार्य का दायरा: लाइसेंसी आवंटित परिसर का उपयोग अनुमत बहु-कार्यात्मक गतिविधियों जैसे होटल/बजट होटल, कार्यालय, खुदरा (रिटेल), हस्तशिल्प, खाद्य एवं पेय/रेस्तरां, क्लोक रूम, शॉपिंग, पुस्तक विक्रय केंद्र, एटीएम, औषधि दुकान एवं विविध स्टोर, पर्यटक/ट्रैवल कार्यालय, को-वर्किंग स्पेस, कार्यक्रम (इवेंट्स), स्टिल्ट फ्लोर पर ईवी चार्जिंग सुविधा अथवा समय-समय पर रेलवे द्वारा अनुमोदित अन्य गतिविधियों हेतु करेगा।

G+5 बिल्डिंग का फ्लोर वाइज़ योजना

गतिविधि/स्थान का प्रकार	स्टिल्ट फ्लोर (पार्किंग)	ऊपरी भूतल	प्रथम तल	द्वितीय तल	तृतीय तल	चतुर्थ तल
ऑफिस	पूर्ण पार्किंग	16	----	----	----	----
ऑफिस हाल		4	----	----	----	----
रूम		----	12	----	20	----
डॉर्मिटरी हॉल		----	4	----	----	----
सुइट		----	----	10	----	10

भवन का पता: प्रयागराज रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया, सिटी साइड, यात्री परिसरों के समीप, लीडर रोड, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश - 211001

बिल्डिंग का जीपीएस लोकेशन: 25°26'40.04"N 81°49'42.27"E https://maps.app.goo.gl/2RHEHWLMAQbDARoM8

कमरों और हाल की संख्या: कुल 68 कमरे एवं 08 बड़े हॉल

विशेष सूचना: इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी/नियम एवं शर्तों के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 703/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

श्री दीप साहित्यिक संस्थान का वार्षिकोत्सव एंव पुस्तक विमोचन समारोह सम्पन्न

शताधिक साहित्य विभूतियों को अंगवस्त्र व प्रतीक चिन्ह सहित किया गया सम्मानित

गोरखपुर। स्थानीय प्रेस क्लब शास्त्री चौक पर श्री दीप साहित्यिक सेवा संस्थान के वार्षिकोत्सव एव चंद्रप्रकाश गुप्त अकिंचन जी कि पुस्तक नौटंकी नाट्य शैली नौटंकी एवं पंडित दानिका प्रसाद इंजीनियर की पुस्तक विश्वकर्मा दर्शन व दिनेश गोरखपुरी द्वारा रचित प्रभु कर्मवान चालीसा के साथ साथ वार्षिकोत्सव स्मारिका विमोचन कार्यक्रम का आयोजन डॉ आद्या प्रसाद द्विवेदी पूर्व आचार्य सतीश चन्द्र स्नातकोत्तर विद्यालय बलिया की अध्यक्षता व डॉ अनिल राय पूर्व विभागाध्य हिंदी विभाग गोरखपुर विश्वविद्यालय, मुख्य आतिथ्य डॉ सुधाकर तिवारी पूर्व प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, सारस्वत अतिथित्व ओम प्रकाश द्विवेदी पूर्व प्राचार्य उदित नारायण इंटर कालेज, डॉ राकेश श्रीवास्तव प्रख्यात अंतराष्ट्रीय भोजपुरी गायक, धार्मिक दर्शन के ज्ञाता जयराम शर्मा, डॉ प्रतिभा गुप्ता निदेशक सर्वांग हॉस्पिटल के विशिष्ट अतिथित्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों के मंचासिन के साथ मां सरस्वती के पुष्पार्चन एव दीप प्रज्वलन से शुरू हुआ ध। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत देवरिया की विदुषी एव प्रख्यात कवियत्री वंदना मिश्र द्वारा अक्षत रोली व तिलक लगाकर किया गया एवं गोरखपुर की मशहूर कवित्री प्रेम लता रसबिंदु द्वारा गणमान्य अतिथियों को बैज लगाकर स्वागत किया गया।

श्री दीप साहित्यिक सेवा संस्थान के मुख्य ट्रस्टी दिनेश गोरखपुरी एवं संरक्षक नंदलाल मणि त्रिपाठी पीताबंर द्वारा गणमान्य अतिथियों का मल्यार्पण अंग वस्त्र स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति के विविध आयामों पर गहन विचार–विमर्श हुआ तथा अनेक साहित्यिक विभूतियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृतिचिन्ह, शॉल एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो.आद्या प्रसाद द्विवेदी कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं, बल्कि उसके मार्गदर्शन का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को साहित्य से जोड़ने का कार्य करते हैं।

मुख्य अतिथि डॉ.अनिल राय ने अपने संबोधन में साहित्य की वर्तमान भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के दौर में साहित्यकारों की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि शब्दों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है और यह कार्य साहित्यकार ही बखूबी कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि डा.सुधाकर तिवारी ने कहा कि साहित्य केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का आधार है। उन्होंने संस्थान द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों को सराहनीय बताते हुए भविष्य में और अधिक व्यापक आयोजनों की अपेक्षा व्यक्त की। विशिष्ट अतिथि के रुप में अन्नतकीर्ति तिवारी ने कहा कि कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि समाज का दर्पण और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि साहित्य के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों को अभिव्यक्त करते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।कार्यक्रम को सारस्वत अतिथि के रुप में ओम प्रकाश द्विवेदी ओम,जय राम शर्मा, डॉ राकेश श्रीवास्तव, डॉ.शिवेश्वर दत्त पाण्डेय, डॉ.प्रतिमा गुप्ता ने भी सम्बोधित किया।कार्यक्रम का संचालन अमिताभ पाण्डेय ने किया तथा नन्द लाल मणि त्रिपाठी ने आभार व्यक्त कीया।

इस अवसर पर आयोजित पुस्तक विमोचन सत्र में चंद्र प्रकाश गुप्त अकिंचन की पुस्तक नौटंकी और इंजीनियर दानिका प्रसाद की पुस्तक विश्वकर्मा दर्शन दिनेश गोरखपुरी की पुस्तक कर्मवान चालीसा तथा वार्षिकोत्सव विशेषांक का लोकार्पण किया गया। जिसे उपस्थित साहित्यकारों ने सराहा। वक्ताओं ने पुस्तकों की विषयवस्तु, भाषा–शैली और समसामयिक प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर अनीता पाल, ईश्वरचंद विद्यावाचस्पति जी, सूरज कुंवर श सरस श जी , राजेंद्र बहादुर सिंह श्हंसश, जी, प्रेमचंद निगम जी, हलीम मेंहदावली जी,ब्रजेश वर्मा रहबर मेंहदावली जी, राजेश मृदुल आदि साथ साहित्यकारों को आदित्य सम्मान, महिला साहित्यकारों श्रीमती वंदना मिश्र,शशि पाण्डेय,वंदना सूर्यवंशी ,प्रेम लता राबिन्दु,,पार्वती ,डॉ रीना मिश्रा,आदि को नारी गौरव सम्मान,भोजपुरी साहित्यकारों भीम प्रजापति, जनार्दन सिंह, राम समूझ सांवरा, कुमार अभिनीत आदि को जुगानी भाई सम्मान एवं 10 साहित्यकारों को दीप साहित्य सम्मान, तथा दिव्य गंगा सेवा मिशन की ओर से 20 साहित्यकारों को गंगा सेवी सम्मान से सम्मानित किया गया साथ ही साथ 60 साहित्यकारों को श्री देव दीप साहित्यिक सेवा संस्थान द्वारा सहभागिता सम्मान से सम्मानित किया गया।।

शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा जलकल विभाग, मदद फाउंडेशन के कार्यकर्ता करेंगे निगरानी

मदद फाउंडेशन और जलकल विभाग मिलकर संवारेंगे शहर की पेयजल व्यवस्था

मदद फाउंडेशन की मुहिम से प्रयागराज के प्रमुख चौराहों पर लगेंगे वाटर कूलर और 'वॉटर एटीएम'

मदद फाउंडेशन की पहल पर 15 दिनों में बुझेगी शहर की प्यास

मदद फाउंडेशन के ज्ञापन पर जलकल जीएम का एक्शन, 15 दिनों में सुधरेगी व्यवस्था

जलकल विभाग पानी की टंकियां, मटके, वाटर कूलर एवं वॉटर एटीएम जल्द स्थापित करेगा

पेयजल संकट के मद्देनज़र सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन की पहल

प्रयागराज। संगम नगरी में बढ़ती गर्मी और संभावित पेयजल संकट के मद्देनज़र सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन की पहल अब ठोस परिणामों की दिशा में अग्रसर होती दिखाई दे रही है। संस्था द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जलकल विभाग के महाप्रबंधक इं. कुमार गौरव ने आगामी 15 दिनों के भीतर शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर निशुल्क पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने का भरोसा दिया है। मदद फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल संरक्षक दिनेश तिवारी, संस्थापक सदस्य मंगला प्रसाद तिवारी ने महाप्रबंधक को सौंपे गए ज्ञापन में शहर के व्यस्त चौराहों, प्रमुख सार्वजनिक स्थलों एवं फुटपाथों पर जीवन यापन करने वाले निराश्रितों के क्षेत्रों में पानी की टंकियां, मटके, वाटर कूलर एवं 'वॉटर एटीएम' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए महाप्रबंधक इं. कुमार गौरव ने स्पष्ट किया कि जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस कार्य को युद्धस्तर पर प्रारंभ किया जाएगा, ताकि

भीषण गर्मी के दौरान आमजन, विशेषकर जरूरतमंद वर्ग, को राहत मिल सके।

प्रभावित इलाकों में पेयजल व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन, पारदर्शिता एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के लिए जलकल विभाग ने मदद फाउंडेशन को निगरानी समिति में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। इसी क्रम में महाप्रबंधक द्वारा संस्था से ऐसे जिम्मेदार सदस्यों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया, जो जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं के संचालन एवं रखरखाव में सक्रिय सहयोग कर सकें। संस्था द्वारा तत्परता दिखाते हुए शहर के जिम्मेदार सदस्यों की विस्तृत सूची महाप्रबंधक को सौंपा गया। जिसमें सिविल लाइंस क्षेत्र से मंगला प्रसाद तिवारी एवं अरविंद कुमार पांडेय, चौक व जीरो रोड से शुभम मालवीय एवं रंजीत यादव, मीरापुर व लीडर रोड से राजेंद्र कुमार पाल एवं अरुण कुमार, म्योहाल एवं मम्फोर्डगंज क्षेत्र से अभय कुमार शुक्ला, राजापुर एवं तेलियरगंज से नीरज मोहिले, रमा शंकर शुक्ल एवं दियांश पांडेय, मुट्ठीगंज व प्रीतम नगर से अमर दीप चौधरी, अमित श्रीवास्तव एवं निरंजन लाल गुप्ता, झलवा एवं झूंसी से दिनेश तिवारी, विपिन साहू, रितेश वर्मा, गुलाब सिंह पटेल, अमित श्रीवास्तव, पंकज मिश्रा एवं प्रवेश शुक्ला, तथा नैनी व फाफामऊ से अर्पित तिवारी, शैलेश द्विवेदी, रामजी शुक्ला एवं सुनील मौर्य आदि के नाम शामिल है। ये सभी सदस्य अपने–अपने क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्थाओं की निगरानी सुनिश्चित करते हुए जलकल विभाग का सहयोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में भी मदद फाउंडेशन के प्रयासों से शहर के विभिन्न स्थानों पर स्थापित पेयजल सुविधाओं ने लाखों जरूरतमंदों, राहगीरों एवं निराश्रितों को भीषण गर्मी में राहत पहुंचाई थी। इसके अतिरिक्त संस्था का "रविवार की रसोई" अभियान लंबे समय से समाज के कमजोर वर्गों को भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां एवं वस्त्र उपलब्ध कराकर सेवा कार्यों की एक मजबूत मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। संस्था ने शहरवासियों से इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील करते हुए कहा है कि सामूहिक प्रयासों से ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि भीषण गर्मी के दौरान कोई भी व्यक्ति विशेषकर निराश्रित और राहगीर प्यासा न रहे।

भारत-पाक तथा चीन के विरुद्ध जंग लड़ने वाला सिपाही तथा सनातनी योद्धा का हुआ निधन

देल्हूपुर प्रतापगढ़! ठाकुर रामप्रताप सिंह निवासी ग्राम पुरैला थाना देल्हूपुर का हृदय गति रुक जाने से 84वर्ष की उम्र मे निधन30/3/2026को रात्री 10 बजे हो गया आप भारतीय वायु सेना मे सिपाही के पद पर रहते 1963,1965.व1971भारत–पाकयुद्ध तथा चीन युद्ध मे भाग लिया और1985मेंहवलदार अफसर के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवा निवृत्तीके पश्चात आप समाज सेवा तथा सनातन संस्कृति और धर्म प्रचार के कार्य मे लगे रहे आप एक संघर्ष शील और स्पष्ट वादी व्यक्तित्व के धनी थे। आप के तीन पुत्र संजय सिंह, सुनील सिंह और सुधार सिंह तथा दो पुत्री रेखा सुधा। आप के निधन से पूरे गांव मे शोक की लहर दोड़ गयी दिनांक 31/3/2026 को उनके निवास स्थान पर शोक एवं श्रद्धांजली सभा हुई पी बी डिग्री कालेज के पूर्व प्राचार्य डी पी सिंह ने उनके बचपन तथा भारत पाक युद्ध मे उनके साहस और पराक्रम की चर्बी की आर एस एस के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि आज हमने एक वीर भारतीय सिपाही तथा सनातन का योद्धा खो दिया जिसने रामजन्म भूमि आन्दोलन 1990मे कार सेवकों के भोजन व्यवस्था करते हुए अयोध्या के लिय बिना बताये घर से निकल पड़े थे और रास्ते मे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था आप का जन्म जमीदार परिवार मे हुआ था परन्तु आप समरसता के प्रतिमूर्ति थे। सभा के अन्त मे दो मिनट का मौन रखने के पश्चात अन्तिम संस्कार हेतु शव यात्रा रसूलाबाद घाट प्रयागराज हेतु प्रस्थान किया। शव यात्रा मे हनुमत सिंह विनय कुमार सिंह जिला सूचना अधिकारी सोनभद्र हरिकेश दुबे, भूषण दूबे इबरार, सोहन धर्मेन्द्र। रवीन्द्र प्रताप मनोज सिंह दिवाकर आदि रहे मुखाग्नि छोटे पुत्र सुधीर ने दिया।

भ्रमित सकल संसार

(छप्पय)

भ्रमित सकल संसार समझ दौलत को अपना।
दिन हो या फिर रात देखता रहता सपना।
खोकर अपनी नींद चौन से कर समझौता।
सजा रहा नित ख़्वाब ख्वाब में एक घरौंदा।
याद रखो भूलो नहीं देख जरा श्मशान में।
संग न जाएगा महल कर्म रहेगा साथ में।

माया का अंबार भ्रमित सबको है करता।
अपनेपन का भाव हमेशा छल से हरता।
रूप–रंग अरु शान महज कुछ पल के साथी।
आती है जब शाम धूप बनती फुटपाथी।
मिथ्या को जो सत्य कह, भटक गए हैं राह में।
हरि–दर्शन के ही बिना, पहुँच गए श्मशान में।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

विराम नाटक का सफल मंचन

प्रयागराज। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संस्था 'आरंभ रंगमण्डल, प्रयागराज' द्वारा नाटक 'विराम' का मंचन दिनाँक 30 मार्च, 2026 को दोपहर 3 बजे से "Prof-Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj के Multipurpose Hall प्रेक्षागृह में किया गया, जिसका नाट्य रूपांतरण एवं निर्देशन संस्था आरंभ रंगमण्डल, प्रयागराज की सचिव सुश्री ऋतिका अवस्थी द्वारा किया गया। नाटक विराम प्रसिद्ध नॉर्वेजियन नाटककार हेनरिक इब्सन द्वारा लिखित नाटक ए डॉल्स हाउस का हिंदी नाट्य रूपांतरण गुड़िया घर की कहानी का समसामयिक रूपांतरण कंचन पाण्डेय एवं ऋतिका अवस्थी द्वारा किया गया। नाटक ‘विराम’ की कहानी हमारे आज के समाज की स्त्रियों/महिलाओं की स्थिति का चित्रण खिंचती हुई कहानी है। ऐसा माना जाता है कि आज हमारा समाज काफ़ी हद तक महिलाओं के प्रति होने वाली अनेक समस्याओं, कुप्रथाओं एवं असमानता जैसी चीज़ों को पीछे छोड़ता हुआ प्रगति के पथ पर अग्रसर है। ऐसी प्रगति जहां महिलाओं की स्थिति पहले से कहीं ज़्यादा बेहतर है, जिसमें उनके पास स्वतंत्रता, समानता व शिक्षा के पुर्ण अधिकार है और जिस पथ पर चलकर महिलाएं पूरे स्वाभिमान के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है साथ ही आज उनके पास अपनी सामाजिक व आर्थिक स्थिति को सँवारने के पहले से कँही ज़्यादा बेहतर विकल्प है, अवसर हैं। जब बात प्रगतिशीलता की आती है और वो भी महिलाओं के संबंध में तो निःसंदेह उनकी प्रगति के लिये तमाम नए रास्ते, संसाधन, आयोजन, प्रयोजन शुरू किए गए है तो ज़ाहिर तौर पर अब उनकी स्थिति और परिस्थितियों के बिगड़ने का दायरा और भी वृहद हो चुका है इसलिए प्रश्न आज भी यही है कि क्या आधारभूत स्तर पर महिलाओं की स्थिति में वाकई कोई सुधार आया है? आया भी हैं या नहीं ? परन्तु सामाजिक स्तर की बात करने से पहले हमें अपने–अपने घरों के अंदर महिलाओं की स्थिति पर बात करनी होगी। ये बात बिलकुल सत्य है कि किसी भी प्रकार का शोषण सबसे पहले घर की चारदीवारीयों से ही शुरू होता है इसलिए हमारे नाटक ‘विराम’ की कहानी भी नाटक ‘ए डॉल्स हाउस’ की कहानी के अनुरूपण द्वारा तैयार की गई है। ये नाटक महान लेखक हेनरिक इब्सन द्वारा उस समय लिखा गया था जब यूरोप में क्रांति चल रही थी। कहते हैं यह नाटक एक नई शैली – यथार्थवाद के विकास में एक मील का पत्थर है, जो पिछले युगों के आदर्शवाद और यूरोपीयन विचारों के विपरीत जाकर, जीवन को उचित रूप से चित्रित करता है। यह नाटक एक ऐसी विवाहित महिला के जीवन से संबंधित है, जिसके पास उस समय पुरुष प्रधान दुनिया में आत्म–संतुष्टि के अवसरों की कमी थी परतुं आज के समाज की नई स्त्री जिसके पास न तो अवसरों की कमी है और न ही शिक्षा की, तो क्या अब उनकी स्थिति, मान, सम्मान, स्वाभिमान, हालात पहले से बेहतर है या वहीं के वहीं हैं जैसे की नाटक ‘ए डॉल्स हाउस’ की नायिका ‘नोरा’ के थे। हमने नाटक ‘ए डॉल्स हाउस’ से अपने नाटक ‘विराम’ की कहानी का अनुकरण इसीलिए भी किया है जिससे हम अपनी प्रस्तुति में ये दिखा सकें कि आज वर्तमान समय मे महिलाओं की स्थिति में क्या परिवर्तन आया है या आज भी उनकी स्थिति वही है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. 12420252026 दिनांक : 27.03.2026

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदाएँ, दिनांक 22.04.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं : 1 | निविदा नं.: 275 | अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 1,89,59,046.02

कार्यों का विवरण: वरिष्ठ मंडल अभियंता/ द्वितीय/ प्रयागराज के खंड में विभिन्न पी- वे सामग्रियों की ढुलाई, लोडिंग एवं अनलोडिंग तथा अन्य विविध कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 3,79,200.00 | कार्य समापन की अवधि: 12 (बारह) माह

सिमिलर वर्क के लिए न्यूनतम वांछनीय आधार: कोई भी सिविल इंजीनियरिंग का कार्य। या परिवहन कार्य।

क्र.सं : 2 | निविदा नं.: 276 | अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 2,33,94,710.72

कार्यों का विवरण: वरिष्ठ मंडल अभियंता/ द्वितीय/ प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्रयागराज - कानपुर खंड में सेस की मरम्मत तथा अन्य विविध कार्य।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 4,67,900.00 | कार्य समापन की अवधि: 12 (बारह) माह

सिमिलर वर्क के लिए न्यूनतम वांछनीय आधार: फॉर्मेशन में मिट्टी का कार्य।

निविदा खुलने की तिथि : 22.04.2026

नोट: 1- ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2.उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 22.04.2026 तक उपलब्ध है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act 2000 के अन्तर्गत C. C. A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5. निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7.संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8.निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड कर दिया गया है 9. बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेट वे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11. आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 22.04.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।12. निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 694/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

नेपाल में नया युग

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में जेन जी (नयी पीढ़ी) आंदोलन से हुई बड़ी राजनैतिक उथल–पुथल के बाद सत्ता के नए युवा युग की शुरुआत हुई है। 35 बरस के बालेन शाह ने नेपाल के अब तक के सबसे युवा प्रधानमंत्री के तौर पर शुक्रवार को शपथ ली। रैपर–गायक के तौर पर नेपाल के युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे बालेन शाह चार बरस पहले 2022 में काठमांडू के मेयर नियुक्त हुए थे, अब उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को हाल ही में हुए चुनाव में लगभग दो–तिहाई बहुमत मिला, जो यह जाहिर करता है कि नेपाल में अब राजनीति का युवा दौर आ चुका है। बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को उनके ही गढ़ झापा में तगड़ी मात देकर बता दिया था कि जेन जी ने अब नेपाल की कमान अपने हाथों में ले ली है। इससे पहले बांग्लादेश में भी छात्र आंदोलन से ही राजनैतिक उथल–पुथल मची थी, लेकिन वहां अस्थिरता और अशांति का दौर कुछ लंबा खिंचा और अब तारिक रहमान के नए नेतृत्व में फिलहाल भारत से संबंध सुधरते दिख रहे हैं। अब नजरें नेपाल के नए नेतृत्व पर हैं। दरअसल समृद्ध और विकास की ओर बढ़ते पड़ोसी देशों से भारत का विकास और सुरक्षा भी जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान से तो भारत के संबंधों में तल्खी और अविश्वास बने ही रहते हैं, इसलिए जरूरी है कि नेपाल और बांग्लादेश के साथ भारत के संबंध मजबूत रहें और उन्हें चीन के प्रभाव में न आने दिया जाए। इसके लिए भारत को अभी से मजबूत रणनीति बनानी होगी। ध्यान देने की बात है, राजशाही के बाद नेपाल में बनी तमाम सरकारें कमोबेश चीन के प्रभाव में रही हैं। नेपाल का चीन के साथ होने में कोई आपत्ति नहीं, लेकिन फिर उस वजह से भारत का विरोध नहीं होना चाहिए। यह एक हिंदू बहुल देश है, जिससे भारत से रोटी–बेटी के संबंध सदियों पुराने हैं। वैसे नेपाल में बालेन शाह ने ऐसे वक्त में सत्ता संभाली है, जब पूरी दुनिया पर मध्यपूर्व में चल रही जंग का असर दिखने लगा है। तेल की कीमतों में आग लगी हुई है और खाड़ी देशों में रोजगार के अवसर अब काफी घट गए हैं। नेपाल से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए इन देशों में जाते हैं, लेकिन अब वे लौटेंगे तो इन लोगों को देश में ही रोजगार देना बहुत बड़ी चुनौती रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि हर दिन करीब 2,900 नेपाली काम के लिए विदेश जाते हैं और उनका भेजा पैसा देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। यह पैसा नेपाल के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 26 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और अक्षम प्रशासन को सुधारना भी बालेन शाह सरकार के सामने प्रमुख चुनौतियां रहेंगी। क्योंकि इन्हीं कारणों से ही युवाओं की नाराजगी सत्ता के खिलाफ फूटी थी और जेन जी आंदोलन खड़ा हुआ था। बालेन शाह अगर इस मोर्चे पर आधे भी कामयाब होते हैं, तो नेपाल गरीबी और अभाव के दलदल से बाहर निकलने लगेगा। नयी सरकार के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती राजनैतिक स्थिरता कायम करने की है। तीन करोड़ लोगों के इस देश में राजशाही खत्म होने के बाद से राजनीतिक स्थिरता लाने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन अब तक कामयाबी नहीं मिली। बल्कि राजशाही के दौर में भी सरकारों के बदलने का सिलसिला जारी था। ध्यान रहे कि 1990 से 2026 के बीच 32 सरकारें नेपाल की सत्ता में आई और किसी भी सरकार ने अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। बालेन शाह ने अगर प्रधानमंत्री के रूप में अपनी सरकार को पांच साल बनाए रखा, तो यह वाकई युगांतकारी घटना होगी। शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में कहा था कि वह नैतिकता और सुशासन को प्राथमिकता देगा और ऑनलाइन माध्यम से सेवाएं देने का वादा किया था। इसके अलावा पार्टी ने कहा है कि वह देश की संरचना में पक्षपात खत्म करेगी। अब इन घोषणाओं पर कब तक अमल होता है, इस पर नेपाल की जनता निगाह रखेगी ही। वैसे प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद बालेन शाह की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि आंदोलन में मारे गए मृतक छात्रों के परिजनों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि उनके परिवारों को आर्थिक सहारा मिल सके। इस पर काम भी शुरु हो गया है। इसके अलावा बालेन शाह सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली को भी शनिवार को ही गिरफ्तार कर लिया। ओली पर आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने और छात्रों की मौत का ठीकरा फोड़ा गया है। इस मामले में एक जांच समिति भी गठित की गई, जिसकी रिपोर्ट में कहा गया, श्भले ही गोली चलाने का सीधा आदेश साबित ना हुआ हो, लेकिन फायरिंग को रोकने का कोई प्रयास भी नहीं किया गया। कार्यकारी प्रमुख होने के नाते ओली को हर अच्छे–बुरे परिणाम के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।श हालांकि अभी तक यह साबित नहीं हुआ है कि क्या ओली ने लापरवाही दिखाई जिस वजह से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इसके बाद यही सवाल उठ रहे हैं कि क्या ओली की गिरफ्तारी के पीछे कोई राजनैतिक बदले की भावना है। क्योंकि खुद ओली ने अपनी गिरफ्तारी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे श्बदले की कार्रवाईश करार दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है और वह इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। 1966 में मार्क्स और लेनिन से प्रेरित होकर राजनीति में आए 74 बरस के ओली चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उन्होंने कई किस्म के राजनैतिक झंझावातों का सामना किया है।

पांच राज्य के चुनाव विपक्ष के लिए मौका, मोदी का सबसे कमजोर समय

शकील अख्तर

ईरान युद्ध और उसके नतीजे में देश में गैस और पेट्रोल की किल्लत में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की खबर दब गई। मगर विपक्ष के लिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। तीन

राज्यों केरल असम और पुडुचेरी में तो नामांकन की प्रक्रिया खत्म भी हो गई है। यहां 10 दिन बाद मतदान है। 9 अप्रैल को। बाकी दो राज्यों बंगाल और तमिलनाडु में नामांकन चल रहा है। बंगाल में दो चरणों में चुनाव होना है। पहला चरण 23 अप्रैल को है। उसी दिन तमिलनाडु में भी चुनाव है। एक ही दिन में। यहां के लिए नामांकन चल रहे हैं। 6 अप्रैल को खतम हो जाएंगे। फिर बंगाल में दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होगी। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। विपक्ष के लिए एक मौका है। मैच फिनिशर बनने का। वह पूरे मैच में अच्छा खेलता है। मगर मैच हाथ से निकल जाता है। जनता का विश्वास इससे टूटता है। इसमें कांग्रेस का परसेन्टेज सबसे ज्यादा है। मैच को हाथों से फिसल दिए जाने का। इन पांच राज्यों में केवल एक राज्य असम में ही कांग्रेस का सीधा मुकाबला बीजेपी से है। हालांकि पुडुचेरी में भी मुकाबले में वही है। कांग्रेस से गए और क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बने एनडीए गठबंधन से। मगर बहुत छोटी विधानसभा है 30 सदस्यों की तो उसमें किसी कि रूचि ज्यादा नहीं है। बाकी सबसे ज्यादा चर्चा में बंगाल का चुनाव है। पिछले दो विधानसभा चुनाव से जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं उन्होंने बंगाल में पूरी ताकत झोंक रखी है। मगर पिछले 12 सालों में उनसे लड़ने में क्षेत्रीय दलों का रिकार्ड अच्छा है। ममता ने दोनों बार 2016 और 2021 में भाजपा के मंसूबे पूरे नहीं होने दिए। लेकिन इस बार एक नए हथियार से वोट काटकर वह ममता को कमजोर करना चाह रहे हैं। अभी तक 76 लाख लोगों के नाम काटे जा चुके हैं और अभी फाइनल मतदाता सूची नहीं आई है। आशंका है कि एक करोड़ के लगभग वोट काटे जा सकते हैं। राज्य में साढ़े सात करोड़ के करीब मतदाता थे। इनमें से एक करोड़ का नाम कटने का मतलब 15 प्रतिशत मतदाता गायब करना। बहुत बड़ा आंकड़ा है। पूरी चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट मामले को लगातार टालता जा रहा है। अब एक अप्रैल को सुनवाई है। मतदाता सूची अभी तक फाइनल नहीं है। नाम काटने की प्रक्रिया जारी है। बंगाल सरकार का कहना है कि पहले चरण के लिए 6 अप्रैल को और दूसरे के लिए 9 अप्रैल को नामांकन खतम हो जाने के बाद मतदाता सूची में कोई फेरबदल नहीं हो सकता है। उससे पहले सुप्रीम कोर्ट को एसआईआर के नाम पर गलत तरीके से काटे गए नाम वापस जुड़वाना चाहिए। नहीं तो यह माना जाएगा कि सारी संवैधानिक संस्थाएं बीजेपी को चुनाव जिताने की कोशिश में लगी हैं। और यह सच है। खासतौर पर आज जब प्रधानमंत्री मोदी हर मोर्चे पर फंसे हुए हैं तब केवल जीत ही उनके गिरते ग्राफ को कुछ सहारा दे सकती है। और यह बात वे अच्छी तरह जानते हैं। और पूरी ताकत लगाए हुए हैं। लेकिन यह बात विपक्ष पर भी लागू होती है। उसकी वापसी का भी यह सुनहरा मौका है। जीत का सबसे बड़ा फायदा यह होगा जनता का हौसला बढ़ेगा। विपक्ष की तरह जनता भी हार माने बैठी है। आएगा तो मोदी ही। यह नरेटिव (धारणा)ऐसा फैला दिया गया है कि लोग कुछ करते ही नहीं। और अगर कोई कुछ करना चाहे तो कहते हैं क्या फायदा चुनाव आयोग जीता देगा! सब सही है। मगर क्या इसका मतलब है विपक्ष हाथ पर हाथ धरा बैठा रहे। चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है। मगर रुकेगा कैसे? सुप्रीम कोर्ट तो उल्टा बंगाल सरकार को डांटता है कि उसके काम में बाधा मत बनो। मतलब वह नाम काट रहा है काटने दो। हल चुनाव जीतने में ही है। किसी भी तरह। ज्यादा से ज्यादा मेहनत करके। क्योंकि पिछले 12 साल में यह साफ हो गया है कि जिसकी सरकार सारी संवैधानिक संस्थाएं उसकी। अपनी स्वतंत्रता स्वायत्तता को खोने में उन्हें कोई गुरेज नहीं। इन्हें अगर वापस लाइन पर लाना है तो हाथ में ताकत होना चाहिए। नहीं तो। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चुनाव धांधलियों का पूरी तरह पर्दाफाश कर दिया। नाम गलत जोड़े किस तरह जाते हैं और काटे किस तरह जाते हैं। यह दो प्रेस कान्फ्रेंस करके उन्होंने मय सबूतों के दिखा दिया। मगर किसी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। यह काम करते रहना चाहिए मगर उन लोगों की बातों में बिल्कुल नहीं आना चाहिए जो कहते हैं कि चुनाव आयोग जीतने ही नहीं देगा। अभी राज्यसभा चुनाव में क्या हुआ? तीन राज्यों में कांग्रेस के विधायकों ने भाजपा को वोट दिए। दो में विपक्ष का प्रत्याशी हार गया। बस हरियाणा में जरा से मार्जिन से जीत पाया। कांग्रेस की हार की हैट्रिक बनते–बनते रह गई। इससे पहले दो राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस का बहुमत होते हुए भी उसके प्रत्याशी हारे। इसी तरह अभी लास्ट हरियाणा के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हारी। माना कि चुनाव आयोग और बीजेपी ने सारी धांधलियां की थीं मगर फिर भी जनता कांग्रेस को जिताना चाह रही थी। लेकिन कांग्रेस ने जनता की इच्छाओं आकांक्षाओं को भी दरकिनार करते हुए अपनी गुटबाजी को तरजीह दी। और आपस में इस तरह लड़े कि जनता सिर्फ रोती रह गई कि यह नहीं सुधर सकते। आप हरियाणा के दोनों गुटों से पूछ लीजिए दोनों मानेंगे कि गुटबाजी ने हरवाया। बस फर्क यह है कि दोनों एक दूसरे पर आरोप लगाएंगे। लेकिन यह सारा मामला देखना चाहिए था कांग्रेस हाईकमान को। सख्त कदम उठाना चाहिए थे। तीन बार से विधानसभा चुनाव हरवा रहे हैं। दो राज्यसभा हरवा चुके। तीसरे में केन्डिडेट की किस्मत ही काम कर गई कि वह बच गया। कांग्रेसियों ने तो हरवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लेकिन क्या कार्रवाई हुई? कुछ नहीं। सबको मैसेज गया कि चौथी बार राज्यसभा में भी और विधानसभा चुनाव में भी इसी तरह कांग्रेस को हराना।

भाजपा द्वारा बंगाल भेजे गए चुनाव पर्यवेक्षक स्थानीय लोगों के निशाने पर

तीर्थंकर मित्रा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, परन्तु भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई अभी भी अपनी स्थिति ठीक नहीं

कर पाई है। राज्य में पार्टी का संगठन काफी बिखरा हुआ है। इस बात का खुलासा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के सामने तब हुआ, जब वे इस हफ्ते चुनाव प्रचार की देखरेख के लिए कोलकाता आए थे। भाजपा अध्यक्ष को एक अप्रिय आश्चर्य का उस समय सामना करना पड़ा, जब उन्होंने राज्य के बाहर से आए नेताओं के काम–काज की समीक्षा शुरू की। पिछले चुनावों के अनुभव को देखते हुए, इन नेताओं को पश्चिम बंगाल में भाजपा के चल रहे चुनाव प्रचार में तेजी और गति लाने के लिए तैनात किया गया है। लेकिन भगवा खेमे के सूत्रों ने बताया कि ये नेता उम्मीदवारों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रहने के बजाय, अपने होटल के कमरों की वातानुकूलित सुख–सुविधाओं में श्आरामश फरमा रहे हैं। चुनाव प्रचार की भाग–दौड़ और गर्मी–धूल से दूर, ये नेता पार्टी के उम्मीदवारों की चुनावी जीत सुनिश्चित करने के अभियान के बारे में आशावादी रिपोर्टें भेज रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि इनमें से कुछ नेता तो राज्य में मौजूद भी नहीं हैं। जानकारी मिली है कि वे चुनावी मैदान से दूर रहते हुए भी पार्टी के आम कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी कर रहे हैं। इन अनुपस्थित नेताओं के रवैये का चुनाव प्रचार पर बुरा असर पड़ा है, खासकर उन विधानसभा क्षेत्रों में जहां नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया है। क्योंकि न तो उम्मीदवार और न ही उनके समर्थक, पार्टी के उन वरिष्ठ पदाधिकारियों के सामने अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जो इन अनुपस्थित नेताओं से ऊंचे पद पर हैं। सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष या अग्निमित्रा पॉल जैसे दिग्गज उम्मीदवारों को इस तरह की मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ता है। वे अपना चुनाव प्रचार अपने दम पर करते हैं। जहां तक राज्य के बाहर से आए नेताओं की बात है, ऐसा लगता है कि वे स्थानीय नेताओं के निर्देशों को दरकिनार कर रहे हैं। लेकिन चूंकि उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं होती, इसलिए चुनाव प्रचार की गति धीमी पड़ रही है। नवीन की बैठक में गुटबाजी भी खुलकर सामने आ गई। जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुछ लापरवाह नेताओं को कड़ी फटकार लगा रहे थे, तभी उन्होंने पाया कि पार्टी की राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुकांत मजूमदार बैठक से अनुपस्थित थे। जाहिर है, मजूमदार, जो एक केंद्रीय राज्य मंत्री हैं और इस चुनाव में जोर–शोर से प्रचार कर रहे हैं, उन्हें इस अहम बैठक में नहीं बुलाया गया था। मजूमदार की बैठक से गैर–मौजूदगी ऐसे समय में एक गलत संकेत देती है, जब भगवा खेमे का राष्ट्रीय नेतृत्व एकजुट होने का संदेश दे रहा है। इसके अलावा, चुनाव नामांकन के बंटवारे को लेकर भगवा खेमे में असंतोष पनप रहा है।

सोशल मीडिया एप्स पर प्रतिबंध को लेकर तेज होती आवाजें

सोशल मीडिया पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे माता–पिता और अभियान समूहों ने लॉस एंजिल्स की एक ज्यूरी के 6 हफ्ते चली बहस के बाद दिए गए फैसले का स्वागत किया। ज्यूरी ने कहा कि इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप, जो मेटा कंपनी और यूट्यूब जो गूगल की ऐप है, ने जानबूझ कर ऐसे व्यसनकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए, जिनसे कैली, एक 20 साल की लड़की, ने दावा किया कि इन प्लेटफॉर्म्स ने उसकी निजी समस्याओं को और बढ़ा दिया और उन्हें बॉडी डिस्मॉर्फिया, डिप्रैशन और आत्महत्या के विचारों से ग्रस्त कर दिया। मुआवजे के तौर पर कैली को 3 मिलियन डॉलर दिए गए।

यह मेटा के खिलाफ ऐसे दावों पर ज्यूरी द्वारा दिया गया पहला फैसला है, क्योंकि कंपनी पर उसके प्लेटफॉर्मों द्वारा युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रभावों को लेकर मुकद्दमों की बाढ़ आ गई है। हालांकि मेटा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''हम इस फैसले से पूरी तरह असहमत हैं और अपील करेंगे। हम अपने प्लेटफॉर्मों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और हानिकारक तत्वों या सामग्री की पहचान करने और उन्हें हटाने की चुनौतियों से भली–भांति परिचित हैं।''एक बयान में, न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज, जो एक डैमोक्रेट हैं, ने इस फैसले को 'हर उस बच्चे और परिवार के लिए एक ऐतिहासिक जीत' बताया, जिसने मेटा द्वारा बच्चों की सुरक्षा से ऊपर मुनाफे को प्राथमिकता देने के कारण नुकसान उठाया है। उन्होंने कहा, ''ज्यूरी द्वारा मेटा को दिए जाने वाले भारी हर्जाने से बड़ी टैक कंपनियों के अधिकारियों को यह स्पष्ट संदेश जाना चाहिए कि कोई भी कंपनी कानून की पहुंच से बाहर नहीं है।'' इस परिणाम का असर संभवतः अमरीका की अदालतों में चल रहे सैंकड़ों ऐसे ही मामलों पर पड़ेगा।

ऑनलाइन एप्स किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं और उन्हें सोशल मीडिया के एडिक्ट, हिंसक तथा अवसादग्रस्त बना रहे हैं, जिसका अंततः उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी खराब असर पड़ता है। दूसरी ओर जर्मनी में भी एक महिला अभिनेत्री ने दावा किया कि गोर्ग नामक एक ऐप ने उसकी फर्जी तस्वीरें और फर्जी डाटा अपलोड किया। उसने कहा कि इससे उसका सारा करियर चौपट हो जाएगा। पिछले सप्ताह डेर स्पीगल, एक जर्मन अखबार, द्वारा रिपोर्ट किए गए इस मामले ने जर्मनी में इंटरनैट पर 'डिजिटल हिंसा' को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है।

सीमा वर्णिका की कलम से'
छोटी कहानी
फैसला

सीमा वर्णिका,
कानपुर

अदालत में खड़े राकेश और संजू के चेहरे उतरे हुए थे कनखियों से एक दूसरे को बेबस निगाहों से ताक रहे थे। तनाव इस क़दर बढ़ चुका था कि अब तलाक़ प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया था।

शहर की जानी–मानी हस्ती राकेश की माँ मनोरमा जी को संजू फूटी आँख न भाती थी और दूसरी ओर संजू के पिता जरा भी लचने को तैयार नहीं।

आरोपों प्रत्यारोपों की झड़ी लगी थी। जज साहिबा ने राकेश संजू के चेहरे भाँपते हुए सारा माजरा समझ लिया था।

दोनों पार्टियों को तथा उनके वकीलों सहित बाहर जाने का आदेश सुना दिया गया। अदालत कक्ष में मात्र जज साहिबा, राकेश व संजू थे।

राकेश जज साहिबा के सामने बिलख उठा संजू उसे ढाढ़स देने लगी। जज साहिबा दोनों के बीच की आत्मीयता देख इतना तो समझ गयीं थीं तलाक दो परिवारों को चाहिए पति पत्नी को नहीं। उन्होंने उन दोनों से मात्र एक प्रश्न पूछा, आप दोनों की क्या इच्छा है

संजू बोली, जज साहिबा यह कोई जानना ही नहीं चाहता . .हम दोनों एक दूसरे के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं पर दोनों परिवारों का अहम् हमारे रिश्ते को खाए जा रहा है। राकेश ने भी सहमति जतायी।

फिर से अदालत सज गयी दोनों तरफ के वकील दलीलों पर दलीलें दे रहे थे। आखिरकार फैसले का समय आ गया।

जज साहिबा गम्भीर थीं उन्होंने तलाक की अर्जी को ख़ारिज कर दिया और आदेश दिया कि राकेश दूसरे शहर स्थानांतरण ले और पत्नी संजू के साथ वहाँ रहे और दोनों परिवारों को सख़्त निर्देश दिया कि बेवजह कोई उनके जीवन में हस्तक्षेप नहीं करेगा। जब तक अभिभावक स्वस्थ,सक्षम व समर्थ हैं वह अपने घर में रहें।

लोग फैसले की समीक्षा में लगे थे।

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

ये ख़ुशी ही ज़ीस्त की इब्तिदा जो गुज़र गया सो गुज़र गया
रामों की नहीं यहाँ इंतिहा जो गुज़र गया सो गुज़र गया

है सफ़र में अपना जो रास्ता कहाँ हो ख़ुदा ये पता नहीं
ना गिला करो ना हो तुम ख़फ़ा जो गुज़र गया सो गुज़र गया

हवा छू गयी जो क़रीब से वो मिला हमें था नसीब से
उसे सोचकर नहीं दिल दुखा जो गुज़र गया सो गुज़र गया

कहीं तो ख़ता से है मुब्तला कहीं हल्म भी ये ख़ता ही से
अरे ज़िंदगी है ये ग़ालसफ़ा जो गुज़र गया सो गुज़र गया

जो तलाशता है ये मंज़िलें उसी को मिली सदा मुश्किलें,
नई कोशिशें करो बारहा जो गुज़र गया सो गुज़र गया

रचना सक्सेना
अलोपीबाग, प्रयागराज

मनहरण घनाक्षरी

जन्मोत्सव हनुमान
बालक ही बलवान,
मारुति परम नाम,
हनुमंत जापते।

परम मंगल धाम,
सिंदूरी सुंदर लाल,
आभा चमकाए भाल,
हनुमंत टारते।

अंधेरा जगत लगा,
सृष्टि का अंतिम हुआ,
सब देव प्रार्थना की,
हनुमंत तारते।

आदित्य भोजन काज,
बजरंग क्षुधा आज,
निकले सुंदर मान,
हनुमंत धारते।

उमा मिश्रा प्रीति

अगर मैं मर जाऊं तो मेरी राख..इस वजह हुआ था जरीन खान हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार, बेटे जायद खान ने किया खुलासा

पिछले साल फेमस इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान की मां और पूर्व एक्ट्रेस जरीन खान का निधन हो गया था। जरीन खान को खोने से उनकी फैमिली को बड़ा धक्का लगा था। वहीं, जरीनकान के बेटे जायद खान ने हिंदू रीति–रिवाजों से अपनी मां का अंतिम संस्कार किया था। हालांकि, कई लोगों ने उनके मुस्लिम होकर हिंदू रिवाज से जरीन खान की अंतिम रस्में करने पर सवाल उठाए थे। वहीं, अब हाल ही में आलोचना झेलने के बाद जायद खान ने अपनी मां का हिंदू रीति–रिवाज से अंतिम संस्कार करने की वजह का खुलासा किया। हाल ही में एक इंटरव्यू में जायद खान अपनी मां जरीन खान के हिंदू रीति रिवाज से किए अंतिम संस्कार को लेकर उठे सवालों पर जवाब दिया। जायद ने बताया कि उनके घर में इंसानियत सर्वोपरि है। उनके कर्मचारी कई तरह के बैकग्राउंड से आते हैं और उनके रहने, खाने और अन्य खर्चों का ख्याल रखने के अलावा, उनका परिवार यह भी देखता है कि उनके बच्चों को सभी मौके मिलें। उन्होंने कहा हमारा परिवार धर्म को एक बहुत ही निजी मामला मानता है, और इसे देखने का तरीका अलग–अलग होता है, न कि यह कि कौन सा बेहतर है और कौन सा बुरा। ये ऐसी बातें नहीं हैं जिन पर बहस करना उचित है। हम खुद को एक धर्मनिरपेक्ष परिवार मानते हैं और हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि क्यों। आगे जायद ने अपनी मां की अंतिम इच्छा का खुलासा करते हुए उस दिन को याद किया जब वह एक सुंदर नदी के किनारे बैठी थीं और उनके मन में अचानक यह विचार आया कि अगर मैं कभी मर जाऊं, तो मैं चाहती हूं कि मेरी राख इस नदी में बह जाए। मैं मुक्त होना चाहती हूं। आपकी मां की जो भी अंतिम इच्छा होगी, वही पूरी होगी।

> आगे जायद ने अपनी मां की अंतिम इच्छा का खुलासा करते हुए उस दिन को याद किया जब वह एक सुंदर नदी के किनारे बैठी थीं और उनके मन में अचानक यह विचार आया कि अगर मैं कभी मर जाऊं, तो मैं चाहती हूं कि मेरी राख इस नदी में बह जाए। मैं मुक्त होना चाहती हूं।

दूसरे लोग कुछ भी कहें, कोई फर्क नहीं पड़ता। वे कितने भी नफरत भरे क्यों न हों, कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं उन्हें दोष नहीं देता, हालात ऐसे हैं, दुर्भाग्य से। उन हालातों को बदलने में वक्त लगेगा। बता दें, जायद खान और सुजैन खान की मां और एक्ट्रेस जरीन खान का पिछले साल 7 नवंबर को मुंबई में निधन हो गया था। वह 81 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह गई थीं। उम्र संबंधी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया था।

चौथे बच्चे के पिता बने एक्टर विवियन डीसेना, तीन बेटियों के बाद घर आया नन्हा शहजादा

मनोरंजन जगत से इस वक्त एक के बाद एक गुड न्यूज सामने आ रही है। जहां बीते रविवार एक्ट्रेस सोनम कपूर ने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया। वहीं, टीवी के जाने–माने एक्टर विवियन डीसेना भी एक बार फिर से पिता बन गए हैं। हाल ही में उन्होंने बीवी नूरान संग चौथे बच्चे का स्वागत किया है। इस बात की खुशखबरी एक्टर ने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 18 में नजर आ चुके विवियन डीसेना की पहले से ही तीन बेटियां है, जिनमें दो सौतेली बेटियां हैं। अब उन्होंने चौथे बच्चे के तौर पर एक बेटे का स्वागत किया है। विवियन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बेटे के जन्म की पुष्टि की। उन्होंने लिखा– कुछ समय के लिए लाइमलाइट से दूर रहा३ लेकिन इसका एक कारण था। कुछ कहानियां घोषित नहीं की जातीं, उन्हें पहले जिया जाता है। चुप्पी ने ही सब कुछ कह दिया हमारा परिवार अब और बड़ा हो गया है और इस बार, एक राजकुमार आया है। निजी जिंदगी की बात करें तो विवियन ने मिस्र की पत्रकार नूरान अली से साल 2022 में शादी की थी। नूरान की पहले भी एक शादी हो चुकी है, जिससे उनको दो बेटियां थी। ऐसे में शादी के बाद अब विवियन कुल 4 बच्चों के पिता बन गए हैं।

जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे..अमीषा पटेल ने सलमान संग शेयर की थ्रोबैक तस्वीरें, शेयर किया दिलचस्प किस्सा

फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस अमीषा पटेल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। भले ही अब वो फिल्मों में नजर नहीं आती, लेकिन सोशल मीडिया पोस्ट्स से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने फैंस के साथ कुछ खास थ्रोबैक तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह सुपरस्टार सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं। अमीषा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर ये पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह सलमान खान और अपने कुछ करीबी दोस्तों के साथ दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों सितारों की बॉन्डिंग साफ झलक रही है और फैंस को उनका ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों के साथ अमीषा ने एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा–लॉस एंजिल्स, यूएसए में मेरे जन्मदिन के जश्न की एक पुरानी याद–जब हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे!! सलमान खान के साथ जन्मदिन का सबसे प्यारा केक काटा, और वह हमेशा की तरह बेहद प्यारे लग रहे थे। जैसे ही अमीषा ने ये तस्वीरें शेयर कीं, फैंस ने उन्हें हाथों–हाथ लिया। पोस्ट पर लगातार लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। कई लोग उनकी और सलमान की दोस्ती की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ पुराने दौर को याद करते नजर आ रहे हैं। अमीषा पटेल और सलमान खान बड़े पर्दे पर भी साथ नजर आ चुके हैं। दोनों ने साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'ये है जलवा' में साथ काम किया था। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया था।

कौन है निकिता पोरवाल? मिस वर्ल्ड 2026 के मंच पर करेंगी भारत का नाम रोशन

भारतीय सुंदरियों ने कई ब्यूटी कॉम्पिटिशन जीते हैं। मिस वर्ल्ड से लेकर मिस यूनिवर्स तक के खिताब अपने नाम किए हैं। इस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब निकिता पोरवाल के कंधों पर है। वह मिस वर्ल्ड 2026 के ब्यूटी पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। मिस वर्ल्ड 2026 का 75वां संस्करण 9 अगस्त से 5 सितंबर तक वियतनाम में आयोजित किया जाएगा। इस ब्यूटी पेजेंट में 130 देशों की ब्यूटी क्वीन शामिल होंगी। मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल इस ब्यूटी पेजेंट में भारत की तरफ से शामिल होंगी। 130 देशों की ब्यूटी क्वीन से निकिता का कड़ा मुकाबला है। इस ब्यूटी कॉम्पिटिशन को पहले रीता फारिया (1966), ऐश्वर्या राय (1994), डायना हेडन (1997), युक्ता मुखी (1999), प्रियंका चोपड़ा (2000) और मानुषी छिल्लर (2017) जीत चुकी हैं। मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का खिताब जीता था। वह उज्जैन की रहने वाली हैं। निकिता की स्कूली एजुकेशन उज्जैन के कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से हुई। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन पूरी की है। मिस इंडिया बनने से पहले निकिता पोरवाल ग्लैमर की दुनिया में कदम रख चुकी थीं। 18 साल की उम्र में एक टीवी एंकर के तौर पर उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता फिल्मों में भी काम करना चाहती हैं। उनकी चाहत संजय लीला भंसाली जैसे निर्देशक साथ काम करने की है।

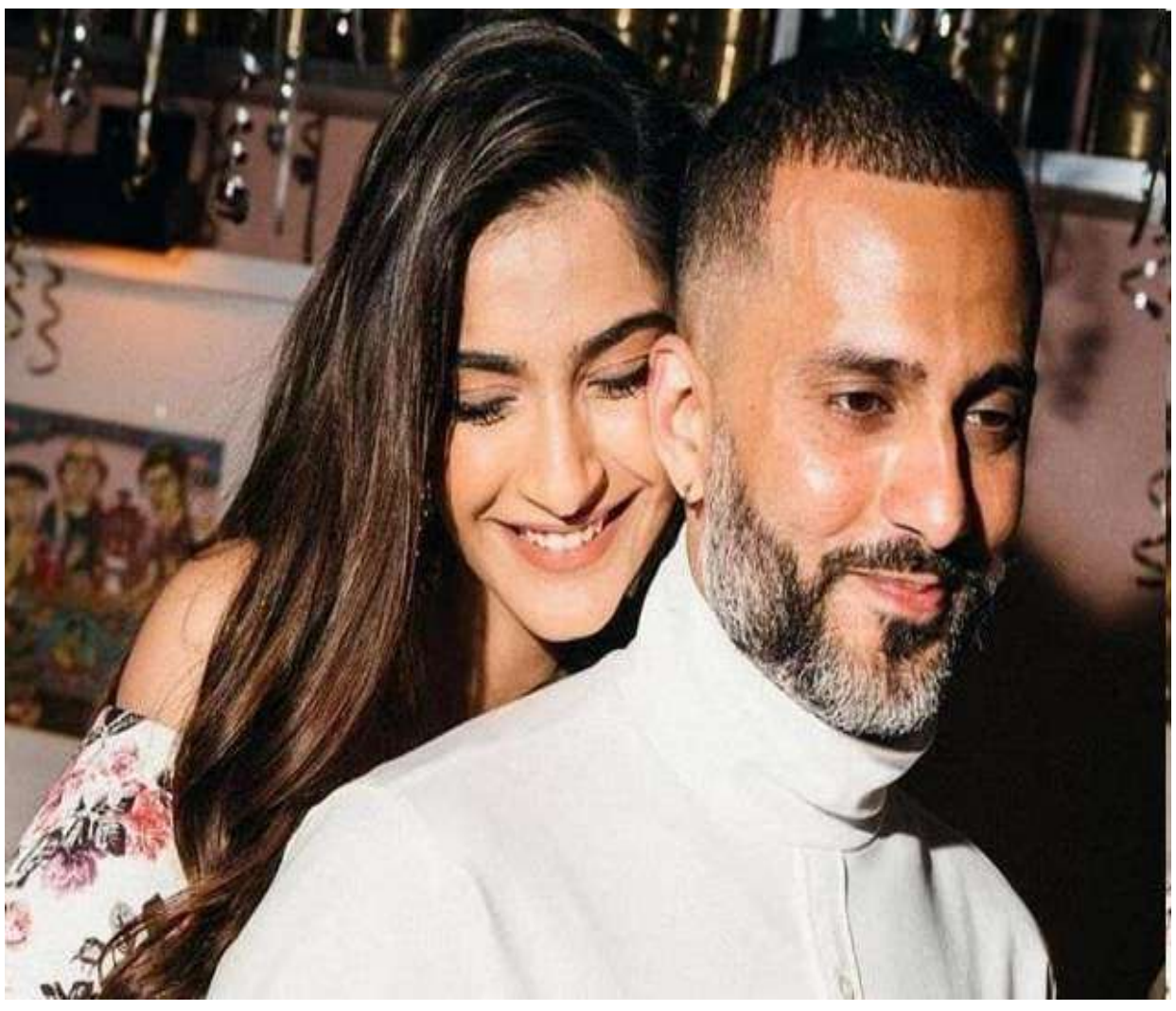

दूसरी बार नाना बने अनिल कपूर ने जाहिर की अपनी खुशी, कहा–मेरा दिल और भी बड़ा हो गया

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर की खुशी इन दिनों सातवें आसमान पर है। हो भी क्यों न भाई..एक्टर दूसरी बार नाना जो बन गए हैं। हाल ही में उनकी बेटी व एक्ट्रेस सोनम कपूर ने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। ऐसे में अनिल कपूर दूसरी नाना बनने से खुशी से झूम उठे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुशी जाहिर की है और बेटी–दामाद को बधाई दी है। सोनम कपूर और आनंद आहूजा के घर 29 मार्च 2026 को दूसरे बेटे की किलकारी गूंजी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जॉइंट पोस्ट शेयर कर यह खुशखबरी दी थी। वहीं, अब बेटी–दामाद के बाद अनिल कपूर ने भी पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी बयां की है। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा–और बस यूं ही... मेरा दिल और भी बड़ा हो गया है। इस दुनिया में तुम्हारा स्वागत है, मेरे नन्हे–मुन्नेय तुम्हें अभी से ही बहुत–बहुत प्यार मिल रहा है। अनिल कपूर ने अपने बड़े नाती वायु के लिए भी खास मैसेज लिखा। उन्होंने कहा– वायु, अब तुम बड़े भाई बन गए हो... और मुझे पता है कि तुम एक बेहतरीन भाई बनोगे। धन्यवाद, सोनम और आनंद... नाना का दिल खुशी से भर गया है। इस दीवानगी भरी दुनिया में तुम्हारा स्वागत है। मेरे बच्चे–प्यार से भरी एक पूरी जिंदगी में तुम्हारा स्वागत है। बता दें, सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने साल 2018 में शादी की थी। उन्होंने अपने पहले बेटे वायु का 2022 में स्वागत किया था। नवंबर 2025 में सोनम ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी और फरवरी 2026 में उनका बेबी शॉवर भी हुआ था। अब दूसरे बेटे के आगमन के साथ कपूर परिवार में खुशियों का माहौल है और फैंस भी इस खबर से काफी उत्साहित हैं।

खून की कमी दूर करेगा चुकंदर का जूस, रोज एक गिलास पीने से मिलेंगे चौंकाने वाले फायदे

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर में से खून की कमी दूर करने में मदद करते हैं। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, सोडियम,पोटेशियम, जिंक, मैग्नीशियम,

फॉस्फोरस, सल्फर, तांबा, विटामिन–बी1,बी2, बी6, नियासिन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। यह पोषक तत्व शरीर की कमजोरी दूर करके एनर्जेटिक रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह इम्यूनिटी मजबूत करने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में भी

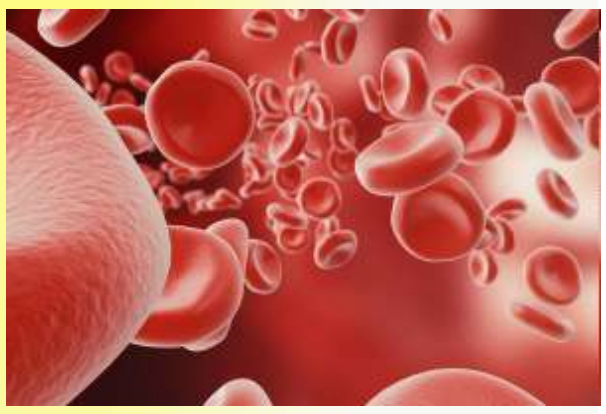

सहायता करता है। तो चलिए आपको बताते हैं इस जूस को पीने के फायदे...

खून की बढ़ाएगा मात्रा

चुकंदर का जूस पीने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ती है यह शरीर की कमजोरी दूर करने में भी मदद करता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह जूस बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। नियमित चुकंदर का जूस पीने से शरीर की थकावट दूर होती है।

पाचन होगा मजबूत

इसका सेवन करने से पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। यह पेट को स्वस्थ रखने में सहायता करता है। नियमित चुकंदर का जूस पीने से गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियां दूर होती हैं। इसके अलावा यह पेट साफ करने में भी मदद करता है। चुकंदर में पाया जाने वाला फाइबर पेट के लिए बेहद ही फायदेमंद माना जाता है।

विषाक्त पदार्थ निकलेंगे बाहर

शरीर में पाए जाने वाले डिटॉक्स पदार्थ बाहर निकालने और लीवर को हैल्दी रखने के लिए भी आप चुकंदर के जूस का सेवन कर सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण शरीर को स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं।

कम होगा वजन

इसमें कैलोरी काफी कम मात्रा में पाई जाती है। ऐसे में यदि आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसे अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसे पीने से पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहेगा और आपका वजन कम होने में भी मदद मिलेगी।

ग्लोइंग स्किन के लिए

चुकंदर का जूस चेहरा चमकाने में भी सहायता करता है। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो पिंपल्स दूर करने में सहायता करते हैं। इसका सेवन करने से स्किन हाइड्रेट रहती है और त्वचा ग्लोइंग होती है।

ब्लड प्रेशर होगा कम

रोज एक गिलास चुकंदर का सेवन करने से ब्लड प्रेशर का स्तर भी कम होता है। इसमें मौजूद नाइट्रेट शरीर में रक्त संचार बढ़ाने में मदद करता है।

पाउडर से भी बेहतर ये अनाज, जिम वालों की बंद हो जाएगी दुकान अगर जान लिए इसके फायदे

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में समा चावल (जिसे भगर, संकी, कुटकी या वरई भी कहा जाता है) इन दिनों किसानों और महिलाओं के लिए फायदे का सौदा बनता जा रहा है। कम लागत और 150 प्रति किलो तक की कीमत के कारण इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। यह न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ा रहा है बल्कि महिलाओं को रोजगार देने में भी मदद कर रहा है।

समा चावल क्या है?

समा चावल असल में एक तरह का जंगली बीज है। विंध्य क्षेत्र में यह पारंपरिक खाने का हिस्सा रहा है। अब शहरों में इसकी डिमांड बढ़ गई है। इसका स्वाद हल्का और पचाने में आसान है, जिससे यह हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

किसानों और महिलाओं के लिए कमाई का जरिया

सामा चावल की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा बन रही है। इसकी खेती कम लागत में होती है और बाजार में इसे 150 प्रति किलो तक बेचा जा रहा है। तिलवानी गांव की स्व–सहायता समूह की महिलाएं इसे इकट्ठा कर बाजार में बेच रही हैं। इससे महिलाओं को घर बैठे रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिल रहा है। किसानों की आमदनी भी बढ़ रही है और पारंपरिक फसलों के मुकाबले यह ज्यादा लाभकारी साबित हो रही है।

सेहत के लिए सुपरफूड

आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार, समा चावल में कई स्वास्थ्यवर्धक गुण पाए जाते हैं ग्लूटेन–फ्री होने के कारण यह पाचन के लिए आसान है। फाइबर से भरपूर होने के कारण पेट की समस्या में राहत देता है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण डायबिटीज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित। इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और फास्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद हैं। एंटीऑक्सिडेंट गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं और वजन कम करने में मदद करते हैं।

खाने में कैसे इस्तेमाल करें

सामा चावल को कई तरह से खाया जा सकता है खिचड़ी, पुलाव सलाद व्रत के खाने में इसका हल्का स्वाद और पोषक तत्व इसे रोजमर्रा के खाने में शामिल करना आसान बनाते हैं।

किसानों और लोगों दोनों के लिए फायदे

सामा चावल की बढ़ती मांग ने किसानों की आमदनी बढ़ा दी है और लोगों को एक हेल्दी विकल्प भी दिया है। यही कारण है कि यह फसल तेजी से लोकप्रिय हो रही है। किसान इसे उगाकर मुनाफा कमा रहे हैं। महिलाएं इसे इकट्ठा करके घर बैठे रोजगार पा रही हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से यह जिम जाने वालों और हेल्दी डाइट चाहने वालों के लिए सुपरफूड साबित हो रहा है। सामा चावल एक ऐसा अनाज है, जो न सिर्फ सेहत के लिए लाभकारी है, बल्कि किसानों और महिलाओं की आमदनी बढ़ाने में भी मदद करता है। प्रोटीन पाउडर का विकल्प खोज रहे लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करके हेल्दी और स्वादिष्ट दोनों फायदे पा सकते हैं।

तेजी से वजन घटाने के लिए अपनाएं ये डाइट, कई गंभीर बीमारियों का भी टलेगा खतरा

बेहतर और स्वस्थ जीवन के लिए हमारा खानपान सही होना बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप रोजाना बाहर या एक जैसी चीजों का सेवन करते हैं, तो आप अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। फिर चाहे वह चीजें कितनी ही हेल्दी क्यों न हों। एक्सपर्ट्स के मुताबिक आपके खाने की प्लेट में रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ शामिल होने चाहिए। रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ का सीधा मतलब तरह–तरह के फल–सब्जियों और अनाज से हैं।

रेनबो डाइट

एक्सपर्ट्स इस डाइट को रेनबो डाइट कहते हैं। जैसा कि आपको इस रेनबो डाइट के नाम से ही पता चल रहा होगा कि इस डाइट में अलग–अलग रंग की खाने की चीजें शामिल होंगी। आपको बता दें कि रंग–बिरंगे खाद्य पदार्थ यानि की रेनबो डाइट में फाइबर, जिंक, फास्फोरस, विटामिन ए (बीटा कैरोटीन), विटामिन सी, विटामिन ई, और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। होलिस्टिक हेल्थ कोच और श्ईट योर केक, लोज योर वेटश के लेखक अजहर अली सैयद बताते हैं कि रेनबो डाइट के जरिए आप वेट कंट्रोल करने के अलावा डायबिटीज, कैंसर, सूजन और हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरे को कम किया जा सकता है।

डाइट में रंगो का महत्व

खाने की हर चीज का रंग उसमें मौजूद खास केमिकल के कारण होता है और यह हमारी सेहत के लिए काफी जरूरी है। जैसे पीले नारंगी रंग की चीजों में में कैरोटीन पाया जाता है। वहीं हरे रंग की चीजों में क्लोरोफिल की मात्रा पाई जाती है। इसके साथ ही लाल और बैंगनी रंग की चीजों में एंथोसायनिन केमिकल पाया जाता है। यह सारे केमिकल्स हमारे बेहतर स्वास्थ्य के लिए काफी जरूरी होते हैं।

आसानी से होता है वेट लॉस

ज्यादातर फल–सब्जियों में कैलोरी, फैट और शुगर की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। इनमें पॉलीफेनोल्स की मात्रा भी अधिक होती है। यही कारण है कि हर रोज थोड़ी–थोड़ी मात्रा में इनके सेवन से आपके वेट लॉस में आसानी होती है।

फाइबर की मात्रा

कई फलों और सब्जियों में फाइबर और पानी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। यन फलों और सब्जियों के सेवन से आप लंबे समय तक तृप्त रहेंगे। साथ ही इन चीजों के सेवन से आप अनहेल्दी चीजें खाने से बचेंगे। क्योंकि इनमें पाई जाने वाली नैचुरल मिठास, पानी और फाइबर से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। जिससे आपका बाहर की चीजें खाने का मन नहीं करेगा।

कैलोरी की मात्रा कम

रेनबो डाइट में शामिल चीजों में कैलोरी की मात्रा काफी कम पाई जाती है। हालांकि स्वीट कॉर्न, हरी मटर, अंगूर, खजूर, केला, एवोकाडो, अंजीर, नारियल आदि में कैलोरी की मात्रा थोड़ी अधिक हो सकती है। लेकिन इन फलों में अलग–अलग पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर आपकी भूख को लंबे समय तक मिटाएगा और मीठा खाने की इच्छा भी होगी।

स्टीम में पकाएं सब्जियां

रेनबो डाइट में शामिल सब्जियों को भाप में पकाना चाहिए और इसमें मसालों और जड़ी–बूटियों का इस्तेमाल करें। क्योंकि अगर आप इसको अन्य खाने की चीजों की तरह पकाएंगे या हाई फैट वाले ड्रेसिंग या सॉस का इस्तेमाल करने से कैलोरी और फैट की मात्रा बढ़ जाती है।

किचन की ये छोटी सी चीज, ट्यूमर-कैंसर से लड़ने में कारगर! फायदे जान रह जाएंगे हैरान

पीपली एक औषधीय मसाला है, जिसे आमतौर पर "लंबी काली मिर्च" भी कहा जाता है। यह आकार में छोटी, पतली और लगभग 2 इंच लंबी होती है। आयुर्वेद में इसे बहुत महत्वपूर्ण औषधि माना गया है, क्योंकि यह शरीर के कई रोगों को संतुलित करने में मदद करती है। खासकर कफ दोष को नियंत्रित करने में इसका उपयोग प्राचीन समय से किया जाता रहा है।

पीपली में पाए जाने वाले पोषक तत्व और गुण

पीपली में कई ऐसे सक्रिय तत्व पाए जाते हैं, जो इसे औषधीय बनाते हैं। इसमें पाइपरलॉन्गुमाइन नामक कंपाउंड होता है, जिस पर वैज्ञानिक शोध भी हुए हैं और यह कैंसर कोशिकाओं पर असर डालने में सहायक माना जाता है। इसके अलावा इसमें पाइपरीन होता है, जो शरीर में अन्य दवाइयों और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी–बैक्टीरियल और सूजन कम करने वाले गुण भी मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं।

सर्दी, खांसी और जुकाम में लाभ

जो लोग बार–बार सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या से परेशान रहते हैं, उनके लिए पीपली बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह कफ को कम करती है और गले व छाती में जमी बलगम को बाहर निकालने में मदद करती है। यदि आधा चम्मच पीपली पाउडर गुनगुने पानी के साथ लिया जाए, तो यह सर्दी–जुकाम के लक्षणों को कम करने में सहायक हो सकता है और शरीर को अंदर से गर्म रखता है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार

पीपली शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसमें मौजूद पाइपरीन शरीर में पोषक तत्वों और औषधियों के असर को बढ़ा देता है, जिससे शरीर जल्दी स्वस्थ होता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। जो लोग बार–बार बीमार पड़ते हैं, उनके लिए इसका नियमित और सीमित मात्रा में सेवन लाभकारी हो सकता है।

सांस और फेफड़ों की समस्याओं में उपयोगी

पीपली श्वसन तंत्र के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। यह फेफड़ों में जमा कफ को साफ करने में मदद करती है और सांस लेने में आसानी पैदा करती है। चेस्ट इन्फेक्शन, फेफड़ों के संक्रमण और टीबी जैसी समस्याओं में इसे आयुर्वेदिक उपचार के रूप में सहायक माना जाता है। यह फेफड़ों को मजबूत बनाकर श्वसन प्रणाली को बेहतर करती है।

ट्यूमर और कैंसर पर संभावित प्रभाव

कुछ शोधों के अनुसार, पीपली में मौजूद पाइपरलॉन्गुमाइन नामक तत्व कैंसर और ट्यूमर की कोशिकाओं की वृद्धि को धीमा करने में सहायक हो सकता है। यह शरीर में असामान्य कोशिकाओं को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, यह समझना बहुत जरूरी है कि पीपली कैंसर का इलाज नहीं है। इसे केवल एक सहायक उपाय के रूप में ही देखा जाना चाहिए। किसी भी गंभीर बीमारी में डॉक्टर की सलाह लेना अनिवार्य है।

त्वचा (स्किन) के लिए फायदेमंद

पीपली का सेवन त्वचा के लिए भी लाभकारी माना जाता है। यह खून को साफ करने में मदद करती है, जिससे त्वचा साफ और चमकदार बनती है। इसके नियमित उपयोग से कील–मुंहासे, खुजली और अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं में सुधार देखा जा सकता है। इसके एंटी–बैक्टीरियल गुण त्वचा संक्रमण को कम करने में मदद करते हैं।

दिल और ब्लड सर्कुलेशन के लिए लाभ

पीपली दिल की सेहत के लिए भी अच्छी मानी जाती है। यह रक्त संचार को बेहतर बनाती है, जिससे शरीर के सभी अंगों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व सही मात्रा में पहुंचते हैं। इसके सेवन से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान कम महसूस होती है। बेहतर ब्लड सर्कुलेशन से शरीर स्वस्थ और सक्रिय रहता है।

शरीर की कमजोरी और ऊर्जा के लिए

जो लोग अक्सर थकान या कमजोरी महसूस करते हैं, उनके लिए पीपली लाभकारी हो सकती है। यह शरीर को ताकत देती है और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में मदद करती है। नियमित और संतुलित मात्रा में सेवन करने से शरीर अधिक सक्रिय और मजबूत बन सकता है।

सेवन करते समय सावधानियां

पीपली का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में लेने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। गर्भवती महिलाओं और किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को इसका सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। बच्चों को भी बहुत कम मात्रा में ही देना चाहिए। पीपली एक छोटा लेकिन अत्यंत गुणकारी मसाला है, जो आयुर्वेद में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह सर्दी–खांसी से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने, त्वचा सुधारने और शरीर को मजबूत बनाने तक कई तरह से लाभ पहुंचाती है। हालांकि, इसे किसी गंभीर बीमारी के इलाज के रूप में नहीं, बल्कि सहायक उपाय के रूप में ही उपयोग करना चाहिए।

टेनिस में भारत को पहला ओलंपिक पदक दिलाया, टूटी कलाई से जीता कांस्य, जादुई है पूरा किस्सा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय टेनिस की बात हो और लिएंडर पेस का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी होता है। पेस को दुनिया के सबसे सफल डबल्स खिलाड़ियों में गिना जाता है और उनकी उपलब्धियां उन्हें भारतीय खेल इतिहास के सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल करती हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेस की चमकदार उपलब्धियों ने भारतीय टेनिस को नई पहचान दिलाई। खास तौर पर 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया उनका कांस्य पदक न सिर्फ ऐतिहासिक था, बल्कि इसने भारत में टेनिस की नई पीढ़ी को भी प्रेरित किया। उनकी इसी सफलता से प्रेरित होकर आगे चलकर सोमदेव देववर्मन, रोहन बोपन्ना जैसे खिलाड़ियों ने सिंगल्स और डबल्स टेनिस में अपना करियर बनाया और देश का नाम रोशन किया। लिएंडर पेस ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उनका यह कदम राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। पेस भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा नेता सुकांत मजुमदार भी मौजूद रहे। पेस का पार्टी में शामिल होना पश्चिम बंगाल की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। फिलहाल पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल गर्म होता जा रहा है और सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति मजबूत करने में जुटे हैं।

17 जून 1973 को कोलकाता में जन्मे पेस एक ऐसे परिवार से आते हैं, जहां खेल और ओलंपिक की विरासत पहले से मौजूद थी। उनके पिता वेस पेस 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा थे, जबकि उनकी मां जेनिफर पेस 1980 एशियाई बास्केटबॉल चौंपियनशिप में भारतीय टीम की कप्तान रही थीं। ऐसे माहौल में पले–बढ़े पेस के लिए खेल सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि उनके जीवन का हिस्सा था। पेस ने महज 18 साल की उम्र में 1992 बार्सिलोना ओलंपिक के जरिए ओलंपिक मंच पर कदम रखा। हालांकि, सिंगल्स में वह पहले ही दौर में बाहर हो गए, लेकिन डबल्स में अपने साथी रमेश कृष्णन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। यही वह शुरुआत थी, जिसने आने वाले वर्षों में एक महान करियर की नींव रखी। भारतीय खेल इतिहास में कुछ पल ऐसे होते हैं, जो हमेशा के लिए अमर हो जाते हैं। लिएंडर का 1996 अटलांटा ओलंपिक में जीता गया ब्रॉन्ज ऐसा ही एक ऐतिहासिक क्षण है। इस उपलब्धि ने न सिर्फ 44 साल बाद भारत को व्यक्तिगत ओलंपिक पदक दिलाया, बल्कि पेस को ओलंपिक टेनिस में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय और एशियाई खिलाड़ी बना दिया। इस जीत के पीछे सिर्फ प्रतिभा नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत थी। पेस ने 1992 बार्सिलोना ओलंपिक के बाद ही अटलांटा के लिए तैयारी शुरू कर दी थी। उन्होंने खासतौर पर ऊंचाई वाले इलाकों में खेलना शुरू किया, ताकि स्टोन माउंटेन टेनिस सेंटर जैसी परिस्थितियों में खुद को ढाल सकें। अटलांटा ओलंपिक में पेस की एंट्री किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। उस समय उनकी विश्व रैंकिंग 126वीं थी और उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। लेकिन उन्होंने इस मौके को पूरी तरह भुनाया। उन्होंने ओलंपिक डॉट कॉम को दिए एक इंटरव्यू में बताया था, श्मैंने चार साल सिर्फ अटलांटा की तैयारी में लगाए। मैंने ऐसे टूर्नामेंट खेले, जहां ऊंचाई ज्यादा थी, ताकि वहां की परिस्थितियों के अनुसार खुद को तैयार कर सकूं। ड्रॉ में पेस का सामना दुनिया के दिग्गज पीट सैम्प्रास से होना था, जो उस दौर के सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में से एक थे। सभी ने इसे पेस के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। सैम्प्रास के हटने के बाद रिची रेनेबर्ग उनकी जगह आए। पेस ने इस अवसर का पूरा फायदा उठाया और तीन सेटों में जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपनी मजबूत शुरुआत की। पेस बताते हैं, जब मैं अटलांटा पहुंचा, तो मुझे लगा कि यहां कुछ जादुई होने वाला है। इसे शब्दों में समझाना मुश्किल है, लेकिन कुछ अलग महसूस हो रहा था।

पेस का सबसे यादगार मुकाबला ब्रॉन्ज मेडल मैच था, जिसमें उनका सामना फर्नांडो मेलिगिनी से हुआ। मैच आसान नहीं था। पेस पहला सेट हार चुके थे और दूसरे सेट में 1–2 से पीछे होने के साथ ब्रेक पॉइंट का सामना कर रहे थे। यहीं से कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसे

पेस आज भी जादुई मानते हैं। वह बताते हैं, पहला सेट हारने के बाद और जब मैं दूसरे सेट में 1–2 पर 30–40 से पीछे था, तभी कुछ जादुई हुआ। मैं उस जोन में चला गया, जहां खिलाड़ी को खुद नहीं पता चलता कि वह क्या कर रहा है। पेस बताते हैं कि अगले 45 मिनट उनके लिए किसी ट्रांस जैसे थे यानी एक ऐसी मानसिक स्थिति जिसमें व्यक्ति को पता नहीं चलता कि उसके चारों ओर क्या हो रहा है। पेस बताते हैं, मुझे याद ही नहीं कि उन 45 मिनट में क्या हुआ, क्योंकि मैं पूरी तरह जोन में था। इस कहानी को और खास बनाता है पेस का दर्द। सेमीफाइनल में हार के बाद उनकी कलाई में गंभीर चोट आई थी। डॉक्टरों ने उसे हार्ड कास्ट में बांध दिया था और वह करीब 24 घंटे उसी हालत में रहे, लेकिन ब्रॉन्ज मेडल मैच के दिन उन्होंने दर्द को पीछे छोड़ दिया। वह बताते हैं, श्सेमीफाइनल में हारने के बाद मेरी कलाई 24 घंटे के लिए कास्ट में थी, लेकिन जब मैं ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलने उतरा, तब मुझे एहसास हुआ कि उस दिन सब कुछ दिमाग पर निर्भर था, शरीर पर नहीं। यही वजह थी कि पेस ने दर्द के बावजूद वापसी की, मैच को पलटा और इतिहास रच दिया।

पेस के लिए यह मैच सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था। यह पूरे देश की उम्मीदों का बोझ भी था। वह बताते हैं, जब आप करोड़ों लोगों के लिए खेलते हैं, चाहे वह डेविस कप हो या ओलंपिक, तो वह भावना बिल्कुल अलग होती है। यही भावना उन्हें हर मौके पर आगे बढ़ाती रही और अंततः उन्होंने भारत को वह पदक दिलाया, जिसका देश दशकों से इंतजार कर रहा था। पेस का यह मेडल आज भी भारतीय खेल इतिहास के सबसे गौरवपूर्ण पलों में गिना जाता है। वह आज भी ओलंपिक में टेनिस का मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। यह उपलब्धि उन्हें एक अलग ही मुकाम पर खड़ा करती है। उन्होंने कहा, जब मैं उस पल को याद करता हूं, तो आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

संक्षिप्त

नए निवेशकों में तेज गिरावट, फरवरी में सिर्फ 13.3 लाख ने ली एंट्री, 11 महीनों में दिखा सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के शेयर बाजार में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार में तेज गिरावट दर्ज की गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ताजा आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 में केवल 13.3 लाख नए निवेशक जुड़े, जो महीने–दर–महीने आधार पर 24.5प्रतिशत की गिरावट है। यह वित्त वर्ष 2025–26 में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट भी है और पिछले करीब 11 महीनों का सबसे निचला स्तर है। फरवरी 2026 तक एनएसई का कुल रजिस्टर्ड निवेशक आधार बढ़कर 12.8 करोड़ हो गया है। हालांकि, नए निवेशकों की संख्या में कमी के बावजूद बाजार में दीर्घकालिक भागीदारी मजबूत बनी हुई है। 12 फरवरी 2026 को यूनिक क्लाइंट कोड्स की संख्या 25 करोड़ के पार पहुंच गई, जो इक्विटी बाजार में लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। साल–दर–साल आधार पर निवेशकों की वृद्धि दर पिछले तीन महीनों में 14.4प्रतिशत पर स्थिर रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि अल्पकालिक सुस्ती के बावजूद लंबी अवधि का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच हर महीने औसतन 13.6 लाख नए निवेशक जुड़े, जो पिछले साल इसी अवधि के 18.2 लाख के मुकाबले कम है। इससे स्पष्ट है कि नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार धीरे–धीरे ठंडी पड़ रही है। क्षेत्रीय स्तर पर महाराष्ट्र दो करोड़ से अधिक निवेशकों वाला पहला राज्य बन गया है और कुल निवेशक आधार में 15.7प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। हालांकि, वित्त वर्ष 2021 में इसका हिस्सा 19.5प्रतिशत था, जो अब घटा है। इससे संकेत मिलता है कि अन्य राज्यों में निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान समेत शीर्ष पांच राज्यों की हिस्सेदारी कुल निवेशक आधार में 48प्रतिशत है। वहीं, शीर्ष 10 राज्यों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015 के लगभग 78प्रतिशत से घटकर थ्ल्26 में 73.1प्रतिशत रह गई है, जो निवेशकों के भौगोलिक विस्तार को दर्शाता है।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच सोने में 17 साल की सबसे बड़ी गिरावट, मार्च में 14.5 फीसदी तक टूटे दाम

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका–ईरान युद्ध के चलते वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बीच मार्च में सोने की कीमतों में 17 वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सोना करीब 14.5 फीसदी सस्ता हो गया। इससे पहले अक्तूबर 2008 में सोने में लगभग 16.8 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। मौजूदा समय में कॉमेक्स पर सोना करीब 4,600 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर है, जो महीने की शुरुआत में करीब 5,400 डॉलर प्रति औंस था। विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट के पीछे मुनाफावसूली, डॉलर इंडेक्स में तेजी, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और कच्चे तेल जैसी अन्य कमोडिटी में आई तेजी जैसे प्रमुख कारण रहे, जिन्होंने सोने पर दबाव बनाया। जानकारों का कहना है कि पिछले चार वर्षों में सोने के ट्रेडिंग पैटर्न में बदलाव आया है। यूक्रेन युद्ध से पहले सोने की कीमत बॉन्ड यील्ड और अमेरिकी डॉलर के विपरीत दिशा में चलती थी, लेकिन बाद में यह संबंध बदल गया, खासकर 2025 और 2026 की शुरुआत में तेज उछाल के दौरान। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद सोना फिर से अपने पारंपरिक रुझान पर लौटता दिख रहा है। बॉन्ड यील्ड और डॉलर दोनों में बढ़ोतरी के बीच सोने ने अपनी पारंपरिक विपरीत संवेदनशीलता दिखाई, जिसके चलते इसकी कीमतों में गिरावट आई। इसके बावजूद, दीर्घकालिक नजरिए से सोना मजबूत बना हुआ है। पिछले एक साल में इसकी कीमतों में 45प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है, जबकि बीते छह महीनों में यह करीब 18प्रतिशत चढ़ा है।

मुझ पर गुलाबी जर्सी अच्छी लगती है, सीएसके को एक ही ओवर में दो झटके देने के बाद बोले रवींद्र जडेजा

गुवाहाटी,एजेंसी। आईपीएल 2026 में रवींद्र जडेजा की जर्सी का रंग बदल गया है। जडेजा अब जानी–पहचानी सीएसके की पीली जर्सी की जगह राजस्थान रॉयल्स की गुलाबी जर्सी में दिख रहे हैं। जडेजा ने कहा है कि उन पर गुलाबी जर्सी अच्छी लगती है। सोमवार को बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके के खिलाफ मैच में जडेजा ने बेहतरीन गेंदबाजी की। सीएसके की पारी की समाप्ति के बाद आरआर में लौटने और अपनी गेंदबाजी पर जडेजा ने बातचीत की। आरआर में अपनी वापसी पर इस दिग्गज ऑलराउंडर ने कहा कि मुझे लगता है कि मुझ पर गुलाबी रंग अच्छा लगता है। जडेजा ने सीएसके को एक ही ओवर में दो झटके दिए। उन्होंने सरफराज खान और शिवम दुबे जैसे खतरनाक बल्लेबाजों को एक ही ओवर में आउट कर सीएसके की कमर तोड़ दी। उन्होंने तीन ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए।

अपनी गेंदबाजी पर जडेजा ने कहा, मैं शिवम दुबे को काफी समय से जानता हूं। उसके खिलाफ नेट्स में काफी गेंदबाजी की है, इसलिए पता है कि वह स्पिनरों का सामना कैसे करते हैं। मैं इसके लिए तैयार था और मैंने ऑफ–स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने की कोशिश की। मुझे पता था कि वह मेरे खिलाफ बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेंगे। मुझे लगा कि विकेट थोड़ा चिपचिपा है और गेंद टर्न हो रही है, इसलिए मुझे गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया। मेरा काम बस सही जगहों पर गेंद डालना था और बाकी काम पिच पर छोड़ देना था।

रवींद्र जडेजा की आरआर के साथ यह दूसरी पारी है। आरआर ने शेन वॉर्न की कप्तानी में 2008 में खेला गया आईपीएल का पहला सीजन जीता था। जडेजा उस टीम के सदस्य रहे हैं। जडेजा 2012 में सीएसके के साथ जुड़ गए थे और 2025 तक टीम

का हिस्सा रहे। इस बीच, 2016 और 2017 में वह गुजरात लायंस के लिए खेले थे। इन दोनों सीजन में सीएसके प्रतिबंधित थी। जडेजा सीएसके के दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं और कई बार टीम को चौंपियन बनाने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। 2023 के फाइनल में आखिरी दो गेंदों पर जडेजा ने चौका और छक्का लगाकर सीएसके को आखिरी बार चौंपियन बनाया था। उस पारी को शायद ही कोई सीएसके फैन भूलेगा। आईपीएल 2026 में ट्रेड के जरिए जडेजा आरआर में आए हैं। आरआर इस अनुभवी ऑलराउंडर से वैसे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी जैसा वह सीएसके का हिस्सा बनकर किया करते थे। जडेजा पहले मैच में गेंदबाजी में टीम की उम्मीदों पर खरे उतरे हैं।

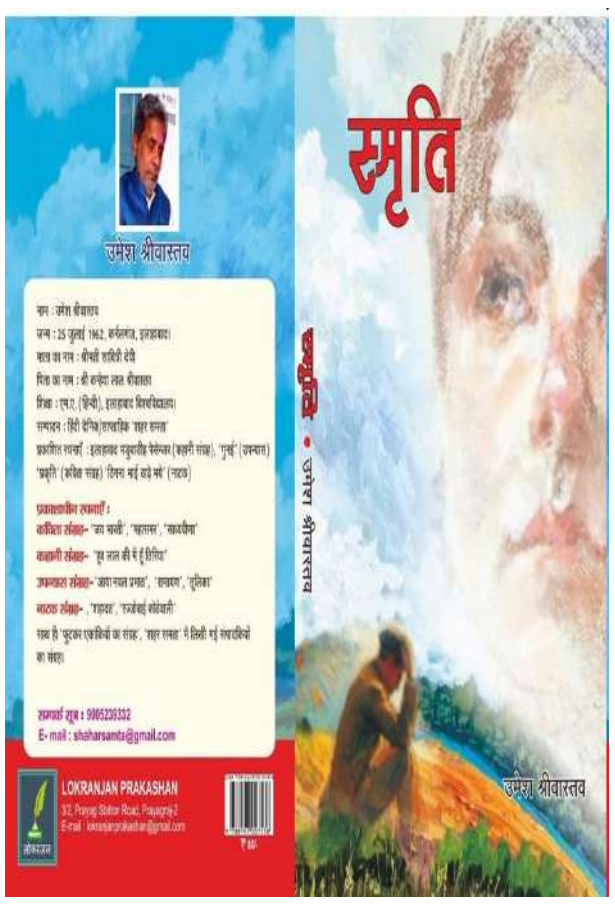

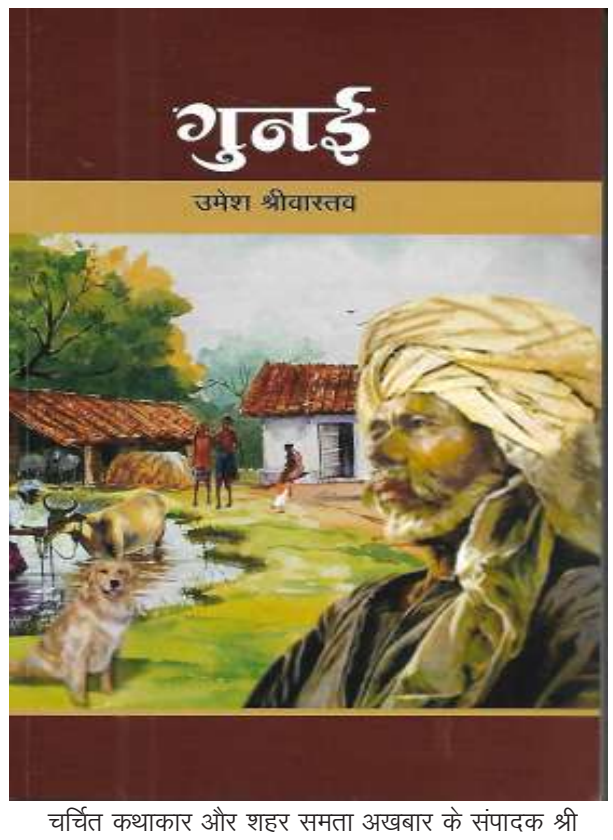

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

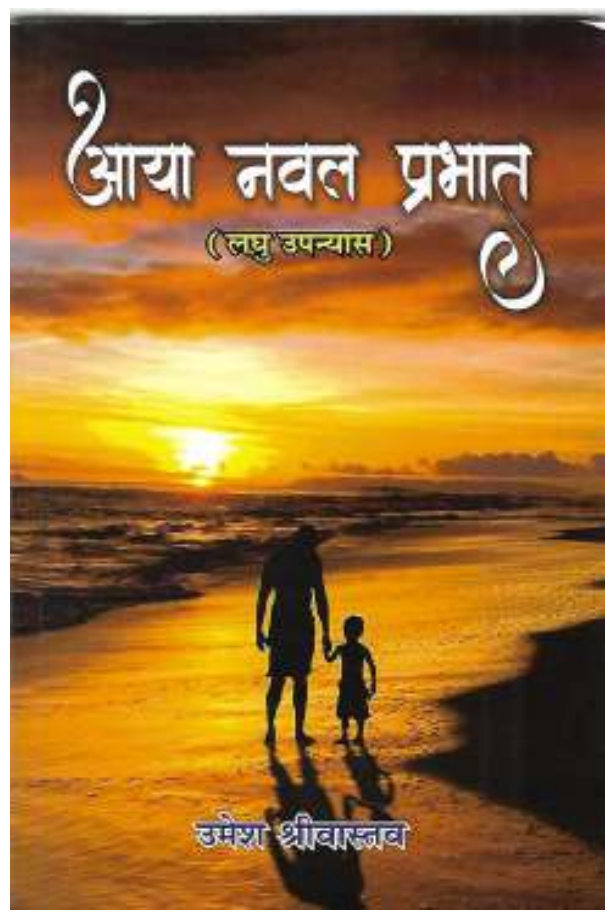

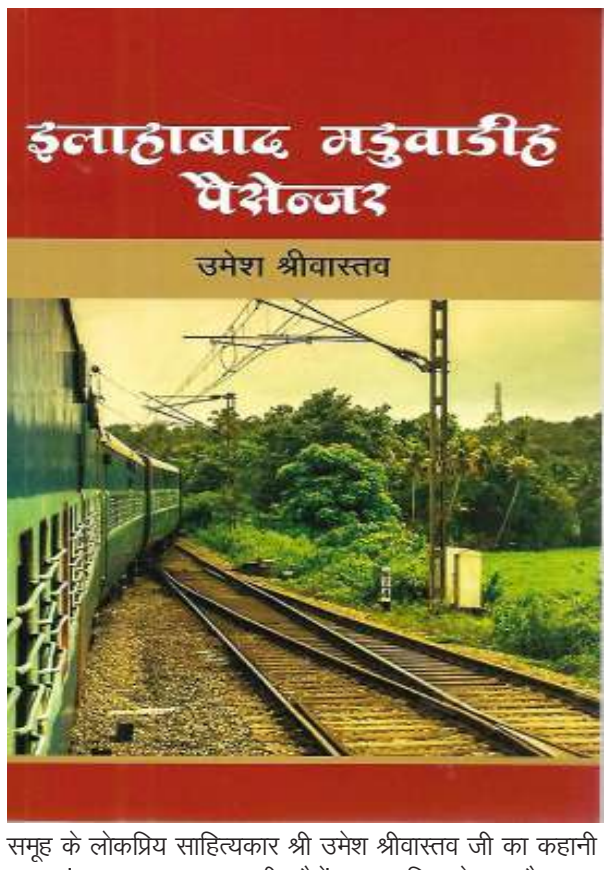

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

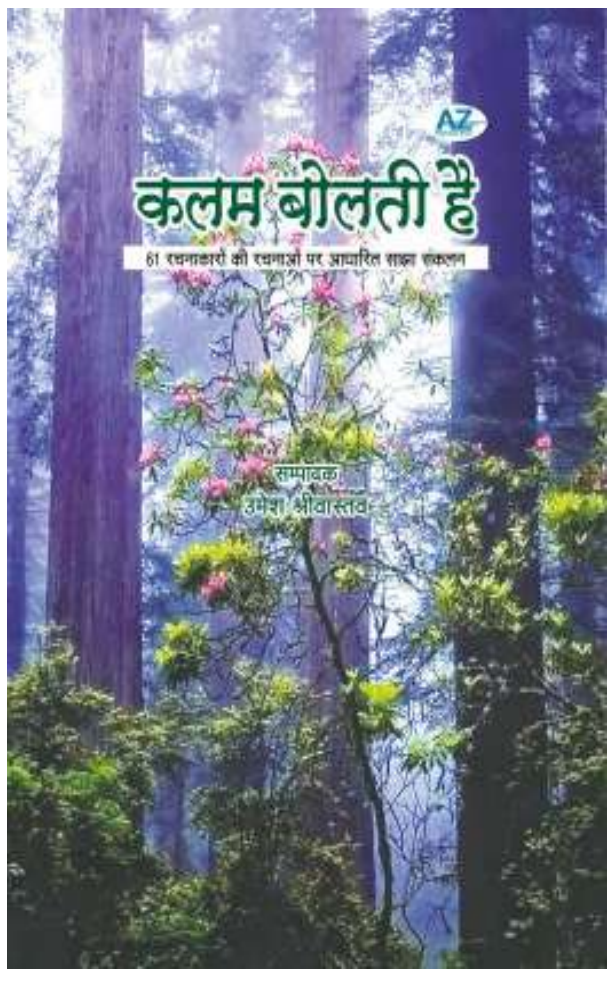

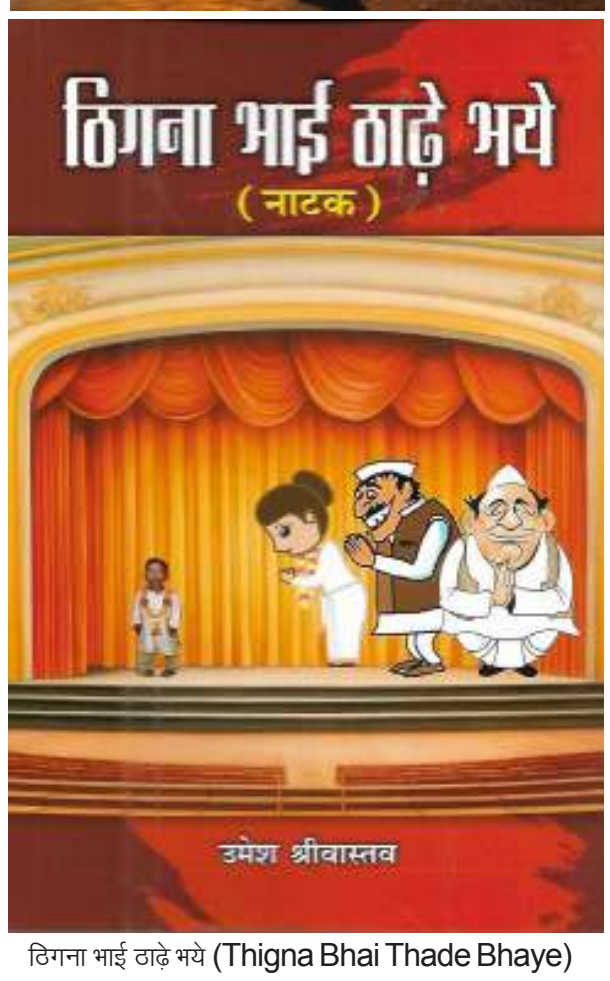

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका ने ईरान के इस्फहान पर 2000 किलो के बंकर बस्टर बम से किया हमला, वीडियो में दिखा खौफनाक मंजर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर पर 2000 किलो के बंकर बस्टर बम से हमला किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह हमला एक हथियार डिपो पर किया गया। इस हमले के चलते इस्फहान के आसमान में आग और धुएं का विशाल गुबार देखा गया। इस हमले का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें धमाके के चलते खौफनाक मंजर दिखाई दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर इस वीडियो को पोस्ट किया है। ईरान के लिए रणनीतिक रूप से अहम क्यों है इस्फहान? वाल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि हमले में बड़ी संख्या में विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। जिस जगह को निशाना बनाया गया, वह एक भूमिगत ढांचा था, जिसके लिए बंकर बस्टर बम का इस्तेमाल किया गया। इस्फहान ईरान का एक सैन्य सेंटर है और ईरान के परमाणु ठिकाने भी इस शहर के करीब ही स्थित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर हमले की वीडियो साझा की है। हालांकि अभी तक इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस्फहान की रणनीतिक अहमियत भी है और दावा किया जाता है कि ईरान के संवर्धित यूरेनियम का बड़ा हिस्सा, जो करीब 540 किलो है, इस्फहान के भूमिगत ठिकानों में ही रखा है। बेहद खास है अमेरिका का ये बंकर बस्टर बम अमेरिका का बंकर बस्टर बम बेहद खास है और यह कंक्रीट के मजबूत ढांचे को भी भेदकर उसे तबाह कर सकता है। आम तौर पर भूमिगत ठिकानों को निशाना बनाने के लिए ही इस खास बम का इस्तेमाल अमेरिका द्वारा किया जाता है। अमेरिका के खास बी–2 बॉम्बर विमान से इस बम को दागा जाता है। बी–2 बॉम्बर विमान की खासियत है कि ये आधुनिक एयर डिफेंस को भी चकमा दे सकता है और बेहद मजबूत माने जाने वाले ठिकानों को भी तबाह कर सकता है। बीते साल जब अमेरिका ने इस्फहान में ही ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था, तब भी अमेरिका ने ऐसे ही बंकर बस्टर बम और बी–2 बॉम्बर विमान का इस्तेमाल किया था।

ईरान में कार्रवाई: पीएम नेतन्याहू का दावा- IDF ने आधे से अधिक लक्ष्य हासिल किए, क्या अब यूरेनियम भंडार पर कब्जा?

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ चल रहे अमेरिका–इस्राइल संयुक्त सैन्य अभियान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन अब आधे से आगे पहुंच चुका है और इसका अगला मुख्य लक्ष्य ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को सुरक्षित करना या हटाना है। एक इंटरव्यू में न्यूजमैक्स से बातचीत करते हुए नेतन्याहू ने दावा किया कि इस अभियान में अब तक अहम सफलताएं हासिल हुई हैं। उनके मुताबिक, ईरान की सैन्य और परमाणु क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया गया है। ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान नेतन्याहू ने बताया कि अमेरिका और इस्राइल की सेनाओं ने मिलकर ईरान के मिसाइल सिस्टम, हथियार फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई प्रमुख वैज्ञानिकों को निशाना बनाया है। इससे ईरान की युद्ध क्षमता को गंभीर झटका लगा है। उन्होंने कहा हमने उनकी मिसाइल क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया है, फैक्ट्रियां तबाह कर दी हैं और उनके परमाणु कार्यक्रम से जुड़े अहम लोगों को खत्म किया है। अब यूरेनियम भंडार पर नजर इस्राइली प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि अब ऑपरेशन का फोकस ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर है, जो परमाणु हथियार बनाने में सबसे अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस सामग्री को ईरान से हटाने और अंतरराष्ट्रीय निगरानी में देने की मांग की है। नेतन्याहू ने इस सैन्य कार्रवाई को सिर्फ मौजूदा खतरे से निपटने का नहीं, बल्कि भविष्य में संभावित बड़े संकट को रोकने का प्रयास बताया। उनका कहना है ईरान परमाणु हथियार बनाने और उन्हें अमेरिकी शहरों तक पहुंचाने की क्षमता विकसित कर रहा है। इस युद्ध का मकसद इसी खतरे को रोकना है। ईरान कमजोर, गठबंधन मजबूत नेतन्याहू ने दावा किया कि इस ऑपरेशन के चलते ईरान की स्थिति कमजोर हो रही है।

अमेरिका–इस्राइल पर तेहरान का कड़ा प्रहार: होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर लगेगा टोल, ईरान संसद से मिली मंजूरी

तेहरान , एजेंसी। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन से जुड़ी एक बड़ी योजना को हरी झंडी दे दी है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से टैक्स (टोल) वसूला जाएगा। आईआरआईबी के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के एक सदस्य ने बताया कि इस योजना को आधिकारिक तौर पर मंजूरी मिल गई है। इसमें कई मुख्य बातों पर ध्यान दिया गया है। इनमें जलडमरूमध्य की सुरक्षा व्यवस्था, जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण का बचाव और पैसों के लेन–देन के नियम शामिल हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

होर्मुज पर नेतन्याहू ने सुझाया स्थाई समाधान, बोले- सैन्य कार्रवाई कुछ समय के लिए दे सकती है स्थिरता

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए। नेतन्याहू के अनुसार, इन पाइपलाइनों को सऊदी अरब के रास्ते लाल सागर और भूमध्य सागर की तरफ ले जाना एक स्थायी समाधान हो सकता है। क्या बोले नेतन्याहू? नेतन्याहू ने न्यूजमैक्स के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के पास है। इस वजह से ईरान जब चाहे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि सैन्य समाधान केवल कुछ समय के लिए स्थिरता दे सकता है। लेकिन अगर पाइपलाइनों का रास्ता बदल दिया जाए, तो ईरान की रणनीतिक ताकत कम हो जाएगी। नेतन्याहू का मानना है कि जमीन के रास्ते नए पाइपलाइन नेटवर्क बनाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर ईरान का दबदबा खत्म होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल निर्यात इसी रास्ते से होता है। इसके एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान जैसे देश स्थित हैं। होर्मुज पर ईरान की नई नीति इस बीच, ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने श्होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजनाश को मंजूरी दे दी है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाएगा। यह टैक्स ईरान की मुद्रा रियाल में लिया जाएगा। इस योजना में जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और वित्तीय इंतजामों के कड़े नियम शामिल हैं। ईरान की इस नई योजना में साफ कहा गया है कि अमेरिका और इस्राइल के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, उन देशों के जहाजों पर भी रोक रहेगी जो ईरान पर एकतरफा पाबंदियां लगाते हैं। ईरान इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता और सेना की भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने पर भी काम कर रहा है। व्हाइट हाउस ने किया दावा इस बीच, व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद तेल के टैंकरों की आवाजाही जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह सब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुई कूटनीति का नतीजा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच सीधी और अप्रत्यक्ष बातचीत चल रही है। लेविट ने उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान अपनी मर्जी से केवल कुछ जहाजों को जाने दे रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों 10 टैंकर निकले थे और आने वाले दिनों में 20 और टैंकरों के निकलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी प्रशासन की लगातार कोशिशों के बिना टैंकरों की यह आवाजाही संभव नहीं होती।

भारत आने वाले ईरानी विमान पर अमेरिका का हमला, तेहरान ने कड़ी निंदा कीय मानवीय मिशन बाधित

तेहरान , एजेंसी। ईरान भारत के लिए उड़ान भर रहे मानवता मिशन विमान पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद आगबबूला है। घटना के बाद ईरान ने इसे युद्ध अपराध करार दिया और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रिपोर्टों के अनुसार, महान एयर का यह विमान ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। यह विमान मानवीय सहायता मिशन के लिए नई दिल्ली आने वाला था, जहां से उसे राहत सामग्री ले जानी थी। हमले से विमान क्षतिग्रस्त हो गया और पूर्व नियोजित मानवीय सहायता मिशन बाधित हो गया। ईरान ने जताई कड़ी नाराजगी

भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के अनुसार, मानवीय मिशनों में लगे नागरिक विमानों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दूतावास ने लिखा दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों को ले जा रहे इस ईरानी विमान पर हमला करना युद्ध अपराध है। ईरानी दूतावास ने बताया कि शिकागो कन्वेंशन (1944) और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन (1971) के तहत, नागरिक विमानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय अपराध माने जाते हैं। इसके अलावा जिनेवा कन्वेंशन के अतिरिक्त प्रोटोकॉल १, अनुच्छेद 52 के अनुसार, नागरिक वस्तुओं पर हमले, जिनमें मानवतावादी सहायता विमान भी शामिल हैं, युद्ध अपराध में आते हैं। दूतावास ने अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। 1 अप्रैल को नई दिल्ली पहुंचना था विमान

बताया जा रहा है कि यह विमान 1 अप्रैल सुबह 4रू00 बजे पहुंचने वाला था। इस घटना के बाद देश में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बता दें कि, महान एयर एक निजी स्वामित्व वाली ईरानी एयरलाइन है जो पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के कई देशों में उड़ानें संचालित करती है। विमान को भारत से ले जानी राहत सामग्री क्षतिग्रस्त हुए विमान को भारत से दवाइयों सहित 11 टन मानवीय सहायता ईरान ले जानी थी। पहले की खेपों में भारतीय उड़ानों का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ईरान के लिए भारत की पहली सहायता खेप 18 मार्च 2026 को भेजी गई थी। तब भारत ने कहा था कि यह सहायता दोनों देशों के बीच दोस्ती और सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है।

पत्रकारों से बदसलूकी पर इस्राइली सेना की कार्रवाई, बटालियन को किया निलंबित, सेनाध्यक्ष ने जताया खेद

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने वेस्ट बैंक के जुडिया और सामरिया इलाके में पत्रकारों के साथ अपने सैनिकों के गलत व्यवहार को स्वीकार किया है। चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ की अगुवाई में हुई एक आंतरिक जांच के बाद सेना ने यह कदम उठाया है। यह मामला श्एरिया एश में एक अवैध चौकी को खाली कराने के अभियान से जुड़ा है। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ ने पत्रकारों के प्रति सैनिकों के आचरण की जांच पूरी कर ली है। जांच में पाया गया कि पत्रकारों के साथ व्यवहार के दौरान सैनिकों से कई गलतियां हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के व्यवहार के तरीके में कमियां थीं और उन्होंने सेना के आदेशों का उल्लंघन किया। सैनिकों ने प्रेस के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए तय किए गए नियमों का पालन नहीं किया। जांच के नतीजों से पता चला कि उस इलाके में तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया। ऑपरेशन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों के साथ कैसे पेश आना है, इसके लिए बने नियमों को तोड़ा गया। इन गलतियों ने यूनिट के अनुशासन और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बटालियन को किया गया निलंबित इन कमियों को देखते हुए इस्राइली सेना ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। सेना ने उस इलाके में तैनात बटालियन के ऑपरेशनल तैनाती को तुरंत निलंबित कर दिया है। सेना ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह प्रेस की आजादी का सम्मान करती है और उसे बढ़ावा देती है। सेना ने इस घटना पर गहरा खेद जताया है। यह कदम मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भरोसा दिलाने के लिए उठाया गया है कि सेना प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है। क्या बोले सेनाध्यक्ष? मुख्य सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इस मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे एक गंभीर नैतिक घटना बताया जो सेना के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक भर्ती के समय शपथ लेता है कि हथियारों का इस्तेमाल केवल मिशन को पूरा करने के लिए होगा। हथियारों का इस्तेमाल कभी भी बदला लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि इस्राइली सेना के भीतर ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को खाली कराना हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित प्रक्रिया रही है। इन अभियानों के दौरान अक्सर पत्रकार, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में सेना के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना और मीडिया के साथ सही तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ईरान युद्ध से पैसा बनाने की कोशिश की? रिपोर्ट के दावे पर पेंटागन ने दिया ये जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ एक बार फिर विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान पर हमले से कुछ सप्ताह पहले पीट हेगसेथ का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रोकर ने रक्षा केंद्रित फंड में निवेश करने की कोशिश की थी। रायटर्स ने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि एक ब्रोकर, जो मॉर्गन स्टेनली के साथ काम करता है, उसने फरवरी में दिग्गज निवेशक कंपनी ब्लैकरॉक से संपर्क किया था। ब्रोकर ने ब्लैकरॉक को डिफेंस इंडस्ट्रियल एक्टिव ईटीएफ में निवेश के लिए मनाने की कोशिश की थी। यह ब्रोकर रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का भी प्रतिनिधित्व करता है। ब्लैकरॉक कंपनी को निवेश का दिया प्रस्ताव

ब्लैकरॉक का 3.2 अरब डॉलर का इक्विटी फंड उन कंपनियों पर फोकस करता है, जो सरकारी रक्षा खर्च से मिलने वाले फायदे पर फोकस करती हैं। भू–राजनीतिक तनाव और युद्ध की स्थिति में इ कंपनियों का फायदा और बढ़ जाता है। इन कंपनियों में आरटीएक्स, लॉकहीड मार्टिन और नॉर्थरॉप ग्रुमन जैसी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों के अमेरिकी रक्षा विभाग के साथ नजदीकी संबंध हैं। हालांकि प्रस्तावित निवेश फाइनल नहीं हो सका। ये अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि पीट हेगसेथ के ब्रोकर ने किसी अन्य रक्षा संबंधित फंड में निवेश किया या नहीं। पेंटागन ने आरोपों को खारिज किया

इस रिपोर्ट के बाद आरोप लगे कि रक्षा मंत्री को ईरान युद्ध की जानकारी थी और इस जानकारी के आधार पर पीट हेगसेथ ने निवेश के जरिए पैसा बनाने की कोशिश की। हालांकि पेंटागन ने इन दावों को खारिज कर दिया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पारनेल ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि रक्षा मंत्री पर जो आरोप लगे हैं, वे पूरी तरह से बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव: इराक में अमेरिकन यूनिवर्सिटी पर हमला, तेल–ऊर्जा के बाद शिक्षा संस्थान जंग का नया मोर्चा

बगदाद, एजेंसी। प्रेस टीवी के अनुसार, इराक के सुलेमानिया में स्थित अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ इराक, सुलेमानी पर मंगलवार सुबह हमला किया गया। हालांकि, इस घटना पर अब तक यूनाइटेड स्टेट्स और इस्राइल की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका–इस्राइल के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने आरोप लगाया है कि उसकी यूनिवर्सिटियों और वैज्ञानिक संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है। ईरानी संस्थानों पर हमलों का आरोप इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक, ईरान के विज्ञान और स्वास्थ्य मंत्रियों ने संयुक्त बयान जारी कर अमेरिका और इजराइल की कड़ी आलोचना की है। बयान में कहा गया कि मार्च 2026 से कई विश्वविद्यालयों और रिसर्च संस्थानों पर हमले हुए हैं। इनमें ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, शिराज यूनिवर्सिटी की फार्मेसी फैकल्टी, इस्फहान यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और उर्मिया यूनिवर्सिटी का साइंस एंड टेक्नोलॉजी पार्क शामिल हैं। इन हमलों में शिक्षा और रिसर्च ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, साथ ही कई शिक्षकों और शोधकर्ताओं की जान भी गई है। ईरान का आरोप– 'वैज्ञानिक ढांचे को खत्म करने की साजिश' ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बघई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि इन हमलों का मकसद ईरान की वैज्ञानिक नींव और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करना है। IRGC की चेतावनी इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने 29 मार्च को अमेरिका को अल्टीमेटम जारी किया था। इसमें मांग की गई थी कि ईरान की यूनिवर्सिटियों पर हुए हमलों की निंदा की जाए। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो पश्चिम एशिया में अमेरिकी यूनिवर्सिटियों को निशाना बनाया जा सकता है।

अमेरिका होर्मुज पर करेगा नियंत्रण?: संघर्ष के बीच बड़ी तैयारी में ट्रंप, समझिए कैसे ईरान की बढ़ गई मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से जारी संघर्ष के बीच अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक बड़ी रणनीति सामने आई है। जारी हमलों के बीच अब ट्रंप प्रशासन होर्मुज की खाड़ी पर अपना नियंत्रण वापस लेने की तैयारी कर रहा है। इस बात की जानकारी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने दी। फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में बेसेंट ने कहा कि जल्द ही या तो अमेरिकी जहाजों या कई देशों के संयुक्त जहाजों के जरिए अमेरिका का नियंत्रण होर्मुज जलडमरूमध्य पर होगा। बेसेंट ने आगे बताया कि फिलहाल कुछ देश ईरान के साथ समझौते करके अपने जहाजों को जलडमरूमध्य पार करा रहे हैं। लेकिन समय के साथ अमेरिका इसे पूरी तरह नियंत्रित करेगा और वहां जहाजों को सुरक्षित रूप से गुजरने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि बाजार में तेल की आपूर्ति अच्छी है और रोजाना कई जहाज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं। लेकिन अंततः अमेरिका इस रास्ते पर फिर से नियंत्रण स्थापित करेगा। होर्मुज को लेकर वैश्विक चिंताएं बेसेंट का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर वैश्विक चिंता सातवें आसमान पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि होर्मुज दुनिया के तेल प्रवाह का एक अहम मार्ग है और यह लगभग विश्व के एक पांचवें हिस्से के तेल के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।